## GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

### **GELC ARCHIVE**

Signature:	GELC-A_001_0538	
Classification:		
Original File No. 42 <b>Title</b>		
Miscellaneous		
Volume: Running from year:	1928 till year: 1930	

#### Content:

- Letter Correspondence with Secretary, G.E.L.C.
- Questionnaire of Provincial Banking Enquiry Committee.
- List of Stationery Articles for 1929-30.
- List of Candidates for Amin Training Class.
- Extract from the minutes of Re-Organisation Committee.
- Resolution of church Council.

File NO (42) Hecellaneous 1928-30

THE SANTAL MISSION OF THE NORTHERN CHURCHES 24.3.28. BENGALI WORK. REV. H. P. H. KAMPP. NARAINPUR P. O., BIRBHUM. (Rly. Sta. Rampurhat, E. I. Ry.) 19.3.30 Down Mr. Hurad, Rev. J. Moseundar of Rampurhat has asked me to write to you and ask you if you caned passibly tell him I my place at Randli where he might rend his young con Calcant to years) for a short time for recreation after Kalaasar without incurring very great expense. If you can tell us of such a place without much trouble to zourself we shall be very qualiful for a pertentaboutite yours circul 200 Hampy

TELEGRAPHS. Charges to pay. NCTICE. This form must accompany any inquiry made respecting this Telegram. resident topono Ranchi Secommend Special prayer for russian Christians by all luther Churches march Lecond morches Executive Committee Cutheran world Contention

N. B.—The name of the Sonder, if telegraphed, is written after the tens. Karim Bux Bros., Printers, Calcutta—529 (B-107)—21-7-28—1,00,000 Bks.

8.2.30 Register No 1365 Date 6. 2.30 File MANAGER Reply No EVIAS PURTI Date To

G. E. L. Mission Press

Printing, Publishing and Book Binding

Ranchi, Bihar and Orissa.

Dated 6 - 2 -30 xxx

The Secretary,

G. E. L. Church, RANCHI.

Dear Sir,

A few days ago you had asked me to inform the Council when the last edition of books, S. Bahi and Aradhana be exhausted. The time has come to get the books reprinted, I therefore, before starting to get them in types request you to let me know that whether the books should be reprinted soon or not and oblige.

Yours faithfully.

Manager.

6. 2. 30 Register No.13.55. 5-2.30 X 42 / Near Searlang Schol. The proposal of our Ingraum is that there are many buropean furthemen rall and out Their also for a Tea party x therefore use have schooled you to fire a nice with Hope you will not disappoint sur request. Years Obed . Hup

Sirmitrapur P.O.

Via- Panposh. B.N.Ry.

Dated the 5th. Feb./1930.

To.

Dr P. Hurad.

Lutherno Mission.

Ranchi.

Sir,

We the Christian members of Birmitapur Khadan much pleasure to invite you for the consecretion ceremoney of our newly erected Church which is to be held on the 26th. instant, we would also appreciate a little sermon on the subject.

We shall be very thankful if you please arrange to reach here on the 25th. inst.by passenger train up to Rourkela and from there to Birmitrapur by Goods train. On hearing from you the exact time a and date of your arrival we will arrange to have you met Rourkela. It convenies by Instor here the road is direct his Via Sundaya Thethailangar r Karaya.

We shall be very thankful if you please arrange to reach here on the 25th. inst.by passenger train up to Rourkela and from there to Birmitrapur by Goods train. On hearing from you the exact time a and date of your arrival we will arrange to have you met Rourkela. If convenient by Instor their this road is direct the Via Sundaya, Thethailangar of Kuraya.

### PROGRAMM.

1st. Sermon by Rev. Prehn. ( in Hindi)

2nd. " " A. John. Do.

3rd. " " J. Toppeno. Do.

4th. " " " C.Tiru "

5th. " " J.Lakra (in English)

6th. " " Mr. P. Hurad Do.

Ath. Address by A. Kujur. (in Hindi.)

Yours obediently.

For Christian members of Birmitrapur.

# Church Council ki baithki.

### ta: 7 February 1930.

---------

4. AUGUSTUS LAKRA - Babu Augustus Lakra ki darkhast parni gai aur bicha karne par aisa sthir hua -

Ki Augustus Lakra ke liye Council Trustiyon ke pas sipharish karti hai ki uske liye Press men koi kam diya jay.

Memo No. /3 79 /30.

Dated Ranchi, the 18.16. February 1930.

Copy of the Church Council's Resolution forwarded to Mr. Augustus Lakra for information.

Steretary,

G. E. L. Church, Ranchi.

No. 1398/30.

18th February 30.

Dear brothers,

receipt of your kind letter of the instant inviting the Church Council and individual members and pastors to come to Birmitrapur for the consecration of your newly built chapel. The Council is much gratified to know of the splendid work which you have done for the Christian Community of your locality.

The Church Council has authorised the President Rev. J. Topono, the Rev. A. John and Rev. Daud Kujur to represent them in the consecration service. It is a pity that neither I myself nor Principal Lakra will be able to go. The School has begun its session and it will not be possible for Mr. Lakra to leave the School in the middle of the week and I am wanted elsewhere on special duty. I hope you will not be disappointed. Rev. A. John will also be able to speak in English and do his part.

The representatives will reach your place from different directions and in case they need your help they will inform you in time.

Wishing you every success in all your endevours.

I remain,
With hearty Yishusahays

Yours very sincerely

\$Hurins

# Memarandum,

From,	LUTHERAN COMPOUND,				
The Secretary, G. E. L. Church, Chota Nagpur & Assam. RANCHI.	Ranchi 19 To The Agents "Statesman" Ranchi.				

Dear Six, The former Agent mesers Roun Lal o Son has slopped his connections with the "Statesman" of supply this office with a lopy of the States man daily and send in your bill in the leginning of every succeeding months. Journ faithfulls F14med Lentas S.E. Lilled 42.

कीतम माणावार ताहा कात ते ह पसाहिक का मुरावहीं पर Entrewald-

अमाश्र में अमापकार अमत्या स्त्रास्त्र के हरवारकार हात्यत जनाने कार्य के कार्य येंत्रा मांशता के व्योंकी अमेला के दसी सीसी हियां की का पालिकी डेट जा कार्यंडर ट्रांच्यारी-इसदामा ट्रांचेश हारिया वर्णा विषा आपा स्मार्गां क्या दमा का का का का कार कार करिय रेगी तर माश्राज्यला विमाश्रामा था। के मया में का स्वहा दीशा- १८ १३-२२ में बेहम ज्या नपार्विकां जनाने के मत्वपास लगाससमानुत्तिक गता मार्थ मार्थ मार्थ हिया जा। वाह्य कापवा क्रिया गता-भारे दिल्ला डेटर व्योक्त करात कि mar en विकार डेट कार कार कारी कारी ही- मान साहर दियां क्रिके थान सिन्द्राल अंदर्भ कारणा वासित्य कार मिला ही द्याप चार सामा डिगा मे. adustission on its Chip und authoritation पर्टमाना जी निर्मा थान विका मारि संस्मारिका वे ना माधीसरों मिकाटागाया के महाटम दे का कार कार्या खास कारी वसमा नेका रवार्। कार्रेश मा शिरका दिल्हा होता है मा भी की का का का वास्वाकारी प्रेक्ट्रिश्वस्व केला तक लाग्र सर्वा प्रेस्ट्रिय तो विष्ठा दी सक्ति हा सा टाटराग्ये मात्यहा स्टारक्ता थयाmoned encoursie on intrad and on starte to the rumi स्टोर्का स्व द्विता पाटे नाथे कि की की सादमको माना त. की अध्य में अल्या जिस की है। ही सकार इंस अपट के-वहाराम्या पार ह ज्या याम विका राता वार्षा क्षा प्रात्म वार्ष के देव ण्यक्ष मान्य द्वार वा इया अध्य मार्थिका दिन रक्षिता mmua िक्रीडिट का काम मुक्तिशा तो स्टोर् के पंचातीं स ar was what anyon bohun midou-en cois ois mundonly किरवामें पहें ते टक्षत कुल न्यान की स्तिक में दिन्या हिलाहें

क्तीर कामकी पास भा कार स्ट्रियम हिर्मा का कार कि वेस्ट-माला गारियात हैं जिल टोंग के ए दुर्देशा में वा नाइये-खिल दून देका भा नाम भिरम दास उक्क आर्ड स्थान में हैकी कारे मानावा पाड़ी जा क्रिका है वा से १००) वह की नवा से यूरिया का पुरि खान्त दिव का मार्किकार है हैं गार के सुरे तह से दिस दूस देश। था है सम्मान रियो १०० समाना हुमा भाई का देनी के नारि कामत travale munitime med 2 no Zist.

Luciaci enguela chi di ma acomo arenendo ह्युसका पृथियान का विकास केन-पार्डो ४। ३० ४ प्युष्

य की की रियों कार बोही कारता किया गरा

entrancement of a firm - Surface Series and and the

miglerall de grill by minimus 22

Reply No.....

File. 42.

होवे-

भागे राक मधरीसका हात्म जनकि मापके पास क्रमानिता दरिवास्य कुरा व्या द्रा — स्मात का द्रा य है। त्र क्षेमका मीनमान में का को दासी स्तीसीहियों को निपर दिस्कि। डेट का क्यापिडर हो नुकार है- इसके नमें हम त्रीगी ने काई भवाद र्यास्त दिया मिरे दिया है के में मी सिस्टित्य सुप्रासी क्षेत्र विल्कित हिन त्वा देश त्या मत्ववा पास विषया है भारते हमों कारे व्याला गया है थारिक सेन्द्राल में का कार कार्या वासूत्र कारी कि हियान सिन्द्राव्य विकासे मारे सर्वारी विका मा आसरों से मी, स वसीसीहर्षा मिन्द्राटम भें का का कार्या नामि व्यक्त में या का माना है। में नाजसासी मेरी कालाजाजाजाजा के ने भी सामारत राजिस्टर क्यार दिल्ली डेटर में आ वात जीत विपास कारि ने वीकी Parauldiandasi etou mily Paratist & mittance idi. किसीका माड्यामं असाम असा किलाह आग्र कारपान माना को अप रोका की हिन्दी की तो जना रहेंगी टमने आपसमामुलाया त्व सवकार यात्रा सव सी मेंद्रा कावा हो वस्ता अपन किया भीर वेर्ता का मान तम रित्र क्राडिट व्या मामसुर्व व्या देंगा मिट्नां मा लड़ा चरीरवा वार्ता विमासा क्येर क्या अवस्ति मान स्तिसी हिया से वित्वनाव नाक सो मेरी मा का जाकारी हे जिसकार वासु तम वर्ण देगा मारीर वर्णित पूर्ण कार मी त्यह लेगा। टमने दिन देन हेटर में भवादन विनेता विन मार्पने वाटा देनां वसावें हो वो लक्ने क्यांस समा युद्मवांस क्योरक्ता भी वार्सिं की जनवार मेरे वन दिसमें काला किये मेर मेर स्ट्रिस्स दीनिये ज्या मंध्य होगा तो नाय देंगा खड़ा पारेंगे. टमकारा मार्थी बड़ी मार्था में पड़े हैं विशेषकारिय दीमदमा सासीटी यहां को कार्ड मिनवा दूर्य स्थान में ही कारी कि तो ने

Head an counce & Franchismen cured & Britarili मे व्यापुट्य विभाषाणायेगा-() न्याकाव स्टोर्कासयेना जार दलेंसे में खर् दे दुला है- कों मिल्ल की जार की वा केले 200) मिल्ला भीर मंड क्लेका अन्दा में वासी मर् में कार वा बाइएक प्रयम्भ पत से की ती सादत की मानादत की व्यवहरी नाम्दा ज्यार रामे नहीं स्तार इस्रोतिये उद्ये का ज्यारिक ये द्वा कारिय डेंक की सी तम स्थान हो गार ही मारी अवह कि की डिट मारवाम सिकटोगा की स्टोर की पंचाकी की प्रवास की वासुल विमायामा केंग मारी एम क्यांगी महामादा होगा नारि वहा दुर द्या होगी इसानिय में भी भी सिला को मार्ग की टमारे विकायती साहिता को माराश देवन वाई से माराधिक दो टाई कार्क मारी टमारे सी मीटियों को कार्यहार को के कार्यादार में मारी का। मिटा का व देखांकी टाह्यों ज्योंके कार्यक कार्य हैं। कि इस दाता टारे जार उपकार मोस हायता देकी माधान से व माइये-एम कि प्रथम सिन्द्राल केन के सल्या है से की संसारिक केन से मंड दर्भाणा लुड़ लागा न देशन की संसारिक वेंका में नहीं ामित गारे कारी कारी दमी पा महा मायात क्याने वादमाहे टमां का मामा ४००१ मा भा अहत हो अध्येत छ -200) trapus timous oug, exalquer ou good anda S. १००) पाड़ी प्रस्म साहित से क्यारे १००) मान्यवा पाड़ी प्रांत स्था हे व से- स्टाप्या कार हम हमा टाल से पार कारिय यहमारीमान वार्थिसे म् देंगी यह में ना की तीर पर् मत्यामें मी आरियान वि विकास व विक्रिके हिर आवि वा देखा। वा माया में न पड़े- miare al ningum 2'-

BILL NOSUE "

y, y. E. L. Church Council Dr. to Ranchi Date 6. 12.88. The G. E. L. Mission Press, RANCHI, B. N. Rv. Printers and Book-binders. done in English, Hindi, Bengali, Mundari and Uraou, Book-binding done in any style in Cloth, Leather, &c. Established 1882. Rates Moderate. Terms:-Cash Trial solicited N. B .- If Bills not paid within one month from date of issue, interest will be charged at the rate of 25% per annum till realization. No. of Particulars. Date. Rs Copies, &c. Printing N. M. S. & Bible Society Contra: TOTAL Rs .. Rs. 1-6-0

Dated 6-12-1929.

\*

Ret. No. if any 24 of Dec. 29.

Manager.

1343/30. F. -

28th January,

30.

Dear Reverend Sandegren,

Thanks for your previous letter and the telegram last evening. I was out touring for 2 weeks and so was unable to acknowledge yours. I am going out again this evening to Jamshedpur and on returning thence hope to write you on some matters.

I am sending the Typed copy of my History of the Gosener Mission and trust it will reach you in time.

With hearty kindest regards,

Yours sincerely,

#Hurmy

THE PUBLICITY BUREAU OF THE NATIONAL LUTHERAN COUNCIL 39 East THIRTY-FIFTH STREET, NEW YORK, N.Y. John A. Morehead, Received 27. 1. 30. Executive Director. W. P. Elson. Register No 1314 ... Publicity Secretary. Date. 4. 12. 29. December 4, 1929. .. 46 Mr. P. Hurad, Editor Gharbandhu, Ranchi, Behar, India. Dear Mr. Hurad: We are distressed to know that through some error your name had been dropped from the list of editors receiving the News Bulletin each week, but are very glad you have called our attention to the matter. A new address stencil has been made out in your name and we hope that you will receive the Bulletin regularly hereafter. It is pleasant to hear the kind things you say about the news service supplied through this medium. We trust that it will continue to be of value to you and that you will offer suggestions for its improvment at any time. If you care to send us occasional items of news concerning the Church in India which you believe would be of interest to the rest of the world we will be very grateful to you for your kindness. Since you have missed a number of recent issues of the News Bulletin we are sending you several in this mail under separate cover. Faithfully yours, WPE: AMW

Church Council
Received 18-12 From,
Register No.1140
Date 14-12. 29
File 42
Reply No. To,
Date

THE HONORARY SECRETARY,
Chotanagpur Central Christian Co-op. Bank, Ltd.,
RANCHI,

The Finance Secretary and Treasurers,

G.E.L. Autonomous Church of

Chotanagpur and Assam,

Ranchi.

Dated Ranchi the 14th December, 192 9

SIR.

As instructed by the Directors of the Bank, I have the honour to submit herewith to you in part the list of the names of the pastors and school teachers who are indebted to the societies under this Bank. By experience it has been found of that they have been generally worst defaulters in the societies, I hope that you will kindly make arrangements so that some suitable deductions are made from their pay here and credited in the Bank.

If you could do so it would be a great help to the Rank societies, to the Bank and to the debtors themselves.

I have the honour to be,

Sir,

Your most obedient servant,

Honorary Secretary.

Forwarded to the Church Council for consideration and

further action

Treasurer to the Church 14.12.1929.

# The Chotanagpur Central Christian Co-op. Bank, Ltd., Ranchi.

(Established March 1921.)

No. Dated Ranchi, the 192

Names of the Pastors who are indebted to the societies: -

S.No.	Name	Name of society	Due Loan	by them Interest	
Revd.	Christanand Min;	j Pharsabers c.s.	674/-	139/10/- on	31.8.29
Red to 110	Jaimasih Minj	Chainpur c.s.	653/-	484/-/2	do.
3. Revd.	Puran Prasad Min	/	177/-	$2/6/5\frac{1}{2}$	do.
4. Revd.	Dhankumar Toppo	Jaddi c.s.	445/-	30/-	do.
5. Revd.	Daniel Horo	Rehergara c.s.	23/-	$1/8/2\frac{1}{2}$ on	30.9.29
6. Revd.	Johan Topono	Marcha c.s,	142/-	94/10/9	do.
7. Mr.	P.Hurad	Gussatoli c.s.	321/-	$\frac{1}{1}$ 299/2/8 $\frac{1}{2}$	do.

## Names of teachers who are indebted to the societies:-

1.	Silas Lakra	Chainpur c.s.	350/-	41/4/32
2.	Prabhu sahay Kerketta	Regergara c.s.	582/-	624/2/10.
3.	Gobindpur M.E.School Elias Aind, Koronjo M.E.School	Regergara c.s.	665/-	123/8/81/2
4.	Phillip Bage, Koronjo M.E.School	Koronjo C.S.	130/	nil.

## The Cossner Zunngelical Jutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad, Ranchi (Behar) ]

No..1300/30. F. = 42.

From,

P. Harad Esquire.

Secretary, G.E.L. Church, Chotanagpur & Assam,

RANCHI.

To,

The Honourary Secretary,

Chota-Nagpur C. Christian Co-Operative Bank Ltd. R A N C H I.

Dated Ranchi, the.. 13th. January, 1930.

Sir,

Adverting to your Office letter No. 2221 dated the 14th December, 1929, addressed to the Finance Secretary and Treasurer, on the subject of the realisation of dues from the workers of the Church to your Bank, I have the honour to state in reply that the matter will be laid before the full Council of the Church next month.

I have the honour to be,

Sir.

Your most obedient servant,

Secretary,

G. E. L. Church, Ranchi.

F. - 42.

To.

K.N. Paul Asquire, Secretary,

The Christian Mutual Insurance Co. Ltd.

LAHORE.

Dear Sir,

Thank you for your remittance of Rs 35/- to wards the cost of your advertisement in our Charbandhu for 1 year.

I enclose a stamped receipt signed by the Treasurer of our Church Council.

Yours faithfully,

Editor "Gharbandhu".

Glynn

## The Council of the Cossner Lu. Lutheran Church in Cholanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad. ]

RANCHI, (Behar.)

No. 1194/30 F. - 42. Dated the ....4th January .......... 1930.

To,

K.N. Paul Esquire, Secretary

The Christian Mutual Insurance Co. Ltd.

LAHORE.

Dear Sir,

Thank you for your letter of the 23rd December 1929 with a copy of your "Advertisement" in English engaging half a page of our Hindi monthly "Gharbandhu" for one year.

As a rule a voucher copy of the paper will be sent to you regularly every month from January 1930 free of cost.

As the price of advertisement is payable in advance please remit Rs 35/- at your earliest convenience and oblige.

Yours faithfully,

Editor Gharbandhu.

## The Council of the Cossner Lu. Lutheran Church in Cholungpur & Assum.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar.)

No. 1186/29.

Dated the 3rd January, 19 30.

To,

The Manager Industry,

22, Shambazr Bridge Road,

CALCUTTA.

Dear Sir,

I thank you for your scheme.

Your advertisement will appear in my paper

"Gharbandhu", half page, of course my paper is
a bit larger in size. I am sending you my advertisement for free insertion in your Year Book and
Directory, 1930. My paper will be mailed to you
free of charge.

Yours faithfully,

Arturul,

#### GHARBANDHU.

The most widely read Hindi Christian monthly magazine of 53 years standing devoted to religious and to all topics of general interests circulating in Bihar and C.P. chiefly in Chota Nagpur and Assam. It is the best medium for merchants, traders and businessmen who desire to push in their trade and make money and to tap the resources of these areas. It is the only medium to approach the people of Chota Nagpur & Assam.

Rates of advertisements on application to the Editor, Gharbandhu, G. E.L. Church, Ranchi. (Behar).

Received 23 10.39. Register No 1019. Dale 23.10. 7. Date ......

41-2101 चर्न कीन्सिल मिम्बर्गन जी० ई० एल० यस के निकट निवेशम।

महाशयगणा,

आप लागे के पास में निम्न लिखिन बातों को बिया करिं के लिये पेश का के अमेप the . नाता है कि भाग लोग अन्या अवित बिवार This is a matter Which नाल दुस्य भागा देने की मुपा किं।। Should come to the C.c. through the 1. में पारेले एक नेर असा के वास्ते President + the mesor र जब में शंचा मेवारा मार्म मार्

त्ने जाता हूं तब मुक्त को बहुत कार्वनाइयां होताहै। व्यां कि कमी र हीसे जारों में जाता रोता है जरां रथान परेने के विषय बहुत तकलीया होता है। कामीर इस िय में अपने से बन्धावस्त कर्ने या दता है। जिस्ते किसी दुसी के भरासे रहा। १ पड़। इसिवी योग पूर्वन कार्जा कारता हूं कि मुक्त मंत्री से बाडर जिस नाममं रहता हू उनि दिनां ने लिये रोजाना ॥) भत्रा देवे भिलने की भाइ। पर्भाधेंगे। कार में इसके किये आपलामां का बहुत यान्यवादक्ष्म

L.C. Jerretmial In durision

भा पतिशों भा भारतियोगसाम जुसाम - तो पनी दूरमा 33-80-28

erelo 1108 29 AL.

## The Cossner Zunngelical Jutheran Church in Chotanagpur & Assum.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad, Ranchi (Behar) ]

No. 108.../20.

From,

The Secretary,

G.E.L. Church, in Chotanagpur and Assam.

To,

The Honorary Secretary,

Chota Nagpur Central Christian Co-operative Bank Ltd.

Ranchi.

Dated Ranchi, the 29th November19 29.

2000

Smx

Dear Sir,

In continuation of this office letter No. 870/29/F.-42, dated the 28th August 1929, I have the honour to forward for your information and guidance the Resolution of the Church Council on the subject of giving a registered agreement of the site given to your Bank.

Please acknowledge recipt.

I have the honour to be.

Sir.

Your most obedient servant.

Secretary.

G. E.L. Church in Chota

Nagpur and Assam.

## OFFICE OF THE SECRETARY G. E.L. CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM CHURCH COUNCIL KI BISHESH BAITHKI.

Ta: 18 November, 1929.

9. BANK JAMIN REGISTRY - Bank ke liye jo jamin di gai hai aur jis par ghar banaya ja chuka hai us jamin ko Bank ke nam par Registry kar dene ki chitthi Bank ki or se ai aur wah parhi gai. Phir jo jabab bheji gai so bhi parni gai.

SANKALP: Ki wan jamin jo di gai hai so Bank ke nam par Bank se kharch dene par Registry kar di jay. President is kan ko karen aur Bank ke liquidate hone ke halat par depreciation value dekh kar ghar ko Council us kharidegi.

Sd. J. Topono. President. Sd. P. Eurad. Secretary. Office of the Secretary, G. E.L. Church, Chotanagpur and Assam.

Memo No. 1073/29. F. - 42.

Dated Ranchi, the 11th November, 1929.

To

Then Manager,

G.E.L. Mission Press.

Ranchi.

Please print in the Official covers and envelopes the address of the Church Council as per samples enclosed:-

The quantity of covers is as follows :-

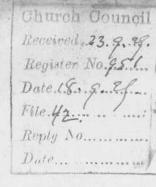
Oblong office size covers..... 500.

Square size white covers..... 200.

Total. 1000 Covers.

Secretary, G. E.L. Church, Ranchi.

Ohurch Council Received W. 9. 25. ESTABLISHED 1819 Regia: B. C. GODE 5TH EDITION Date 6 P. O. Box No. 54 TELEGRAPHIC ADDRESS: BOOKSHELF, CALCUTTA" AND TO H. E. THE VICEROY & GOVERNOR-GENERAL OF INDI ENTRE HARDEN 6.9. 19:19. We have the pleasure to advise despatch of the following, per V .- P.P. in attention to your esteemed favour of 1898/12 THACKER, SPINK & CO. INL. No 6396 Order No. 5-265-2 administration of Estates of holiv Ch act VII of 1901 Birth, Gallis Amariages Rytael- 1886 Indian Grove Let 1869 foreign marriage act Marriage Validation Del 4/1852 2 Nalive Convert : act XXI 0 / 1866 Special Marriage Ger al- II M872 Packing and Postage Sale No. Rs. Checked by WE MEPAIR FOUNTAIN PENS



No. 689/733.

FROM

## H. R. BATHEJA ESQR., M. A., I. E. S., Secretary,

Provincial Banking Enquiry Committee, Bihar and Orissa

To

The Mr. Peler Hwad, Slevelair Church Council, Lutheran Mission, Ranchi

Raucli 18-9- 1929

SIR.

I am directed to enclose herewith a copy of the questionnaire issued by the Bihar and Orissa Provincial Banking Enquiry Committee and to invite you to supply such information as it is within your power to give. The questionnaire is not to be regarded as exhaustive

I am directed to enclose herewith a copy of the questionnaire issued by the Bihar and Orissa Provincial Banking Enquiry Committee and to invite you to supply such information as it is within your power to give. The questionnaire is not to be regarded as exhaustive and it is not, of course, expected that any one witness will be able to deal with all the questions raised. Any information relevant to the subject matter of the inquiry will be welcomed but your particular attention is invited to those portions of the questionnaire of which you have special personal knowledge. Your replies should reach the office of the Committee at Ranchi not later than Sunday the 20th 7

November 1929.

I shall be glad to supply you later, with copies of translation of the questionnaire in Hindi, Oriya, Urdu or Bengali, should you require them for the use of persons known to you who can furnish valuable information but do not know the English language. To facilitate reference and grouping, it will be convenient if the answer to each question is given on a separate sheet of paper. and tonllen

on one side only.

I have the honour to be. Sir. Your most obedient servant,

Secretary.

#### PROVINCIAL BANKING ENQUIRY COMMITTEE.

#### QUESTIONNAIRE.

(The following memorandum is published in order to assist witnesses in the preparation of their evidence. It is not to be regarded as exhaustive, nor is it desired that each witness should necessarily attempt to deal with all the questions raised.)

I.—Agricultural credit and credit facilities for small industries.

- 1. Describe the present system by which the agriculturist in your district or province obtains finance
  - (a) for expenses during cultivation,
  - (b) for capital and permanent improvements, and
  - (c) for other special needs, e.g., failure of monsoon, for land revenue, etc.

What are the rates of interest charged in your district or province in respect of advances, the period for which loans are taken, the nature of the security given and accepted (e.g., standing crops, etc.), and other conditions attaching to the grant of such loans?

Describe the part played in agricultural finance by Government, the Imperial Bank of India, the Joint Stock Banks, Co-operative Banks, the Indigenous Banks and Bankers, professional moneylenders, merchants and dealers, and other organisations giving credit (e.g., companies trading in fertilisers, etc.).

Can you give an estimate of the total amount of capital required for the various purposes stated above for your district or province?

State defects, if any, in the present system and the reasons for the existence of such defects. Do you suggest any remedies?

Is there co-ordination among the various credit agencies including Government, and is there scope for improvement in that direction?

2. Describe the present method of marketing principal crops in your district or province.

What in your opinion are the possibilities of forming pools and of cooperative effort generally in marketing produce?

Describe the credit facilities required for the financing of products during marketing and the facilities actually existing.

In regard to such facilities is there any special difference as between internal trade and foreign trade?

What is the part played by the different classes of banks and bankers and merchants and dealers during the process of marketing ?

What are the existing facilities available to the public, including banks and bankers, for internal remittance?

State any defects in the existing system and any suggestions for improvement?

Describe the part played by negotiable instruments in the internal trade of the province.

Have you any suggestions to make for the more extensive use of bills (e.g., by reduction of duty on bills)?

What are the different classes of hundis current in your part of the country? What are the peculiarities of each? Please give sample wording.

Have you any suggestions for the amendment of the Negotiable Instruments Act by which the public and the bankers handling hundis might be better protected or benefited ?

Are hundis emanating from your locality discounted in your local centre or are they sent to a provincial centre and discounted there, or are they held by middlemen, merchants or commission agents?

What different kinds of instruments of ownership of goods and produce (e.g., railway receipts) and documents are employed for raising money during the process of marketing?

Are any difficulties experienced in the use of these instruments and have you any suggestions to make with a view to removing those difficulties?

What in your opinion are the possibilities of operating licensed warehouses in India either on the lines of the system which exists in the United States of America or otherwise?

Do you think there in any need for Government assistance in the matter?

3. In your district what is the value of land per acre for different kinds of crops ?

What are the factors affecting such value? In your reply, please distinguish between—

- (a) value of land in Government auction for non-payment of revenue,
- (b) value of land in the event of sale by court decree;
- (c) value of land in purchase by private negotiation.
- 4. Is there any legal impediment to mortgage of land and agricultural holdings in your province? Are there any land mortgage banks or agricultural banks in your province or any other banks for the provision of long term credit?

State what you know of their method of work and of raising capital.

If no such institution exists in the province, suggest the lines on which such institutions could be established and worked to the advantage of the landholders and tenants of your province.

Do you suggest any measures for

- (a) improvement in the record of rights and title of ownership so as to simplify reference, and to avoid possibilities of disputes and counterclaims by parties other then those who are the clients of the Bank,
- (b) simplification of the process of foreclosure and sale by the Mortgage Bank in the event of non-payment,
- (c) reduction of costs of reference to the record of rights and of registration of records and of the process at law so as to reduce the burden on the good constituents of the Bank in respect of charges incurred on account of defaulters?

Should the working capital of the proposed Mortgage Bank be derived largely from

- (a) deposits,
- (b) funds from central institutions, or
- (c) debenture bonds?

Should debenture bonds carry any Government guarantee either for principal or interest or for both?

If so, what measures would you suggest to secure Government against unnecessary loss?

On what terms should Agricultural Mortgage Banks raise monies under each of the above-mentioned heads, with or without Government guarantee, and on what terms should they lend out money so as to cover their expenses?

Please state any other suggestions for the adequate provision of long term credit against sound security.

5. In order to devise measures for the increase of credit facilities to the agricultural classes it is necessary to reach an estimate as accurate as possible of the existing indebtedness of these classes.

Do you know of any such estimate for a village or a district in your province, or for the whole province?

In what manner can such an estimate be obtained with reasonable accuracy?

In such an estimate please distinguish between-

- (a) the amount of debt with land as security which is in the form of a registered mortgage,
- (b) the amount of debt which is concealed in the form of a judicial sale to circumvent the provisions of Acts such as the Deccan Agriculturists Relief Act,
- (c) the amount of debt which is incurred against any other assets, such as the village house, ornaments, ploughs and other agricultural implements, crops and produce, or debt which is given on the general security of all the assets without a specific pledge.

Please state wherever possible the purposes for which the debt was incurred, such as

- (a) the repayment of earlier debts,
- (b) marriage and other social occasions,
- (c) famine and other kinds of distress,
- (d) payment of land revenue,
- (e) growth of the debt by compound interest, interest not having been paid,
- (f) seeds and manure,
- (g) improved agricultural implements,
- (h) sinking of wells and agricultural improvements.

Please indicate also to whom this debt is largely due and whether the creditors are Government, Banks, Co-operative Societies, or indigenous bankers and professional money-lenders.

State what you know of the rates of interest charged, the methods used for calculating it and for enforcing the payment of the debt.

Do you think a large number of people who are efficient farmers, are being turned into tenants for a period, or tenants at will through the process of the enforcement of the old debts and landed property passing on into the hands of the creditors?

If this process is going on, does it take away from the actual cultivator the incentive to produce more and in an efficient and better manner?

6. Give some idea of the number of small subsidiary industries allied or supplemental to agriculture existing in your province, such as rice milling, dairy farming, gud making, garden produce, cotton ginneries, sugar refineries, hand spinning, etc.

Can you suggest methods by which any such industries could be encouraged and by which the producer might be enabled to get a better return for his produce?

Can you suggest any enterprises which may give employment to the farmer during seasons when he cannot make full use of his time on his farm and thus enable him to supplement his income and to raise his standard of living?

What would be the best method of securing working capital for such enterprises?

What financial machinery do you suggest for this purpose?

7. State what you know of the relations that exist between the Co-operative Banks and the other banks in the country, namely, the Imperial Bank of India, the Joint Stock Banks and the Indigenous Banks.

Describe any existing difficulties in the matter of finance in the case of Cooperative societies both in regard to short and long term capital.

Can you give an estimate of the amount of extra capital required for financing Co-operative movement in your district or province?

Is there any competition in your district or province between the Co-operative Banks and Joint Stock Banks?

If so to what extent and in what direction ?

Have you any views regarding the possibility and desirability of granting financial concessions in order to stimulate the growth of the Co-operative movement (e.g., by extension of special exemption from income-tax to genuine Co-operative Societies, inclusion of debentures issued by Provincial Co-operative Banks in the list of trustee securities, etc.)?

#### II .- Indigenous Banking.

(Note.—By indigenous banking is meant all banks and bankers other than the Imperial Bank of India, the Exchange Banks, Joint Stock Banks and Cooperative Banks. It includes any individual or private firm receiving deposits, dealing in hundis or lending money.)

- 1. State what you know of the functions of the indigenous bank or banker in your district or province enumerating all kinds of business the bank or banker transacts?
- 2. How and to what extent does an indigenous bank or banker in your district or province assist in financing agriculture, trade and industry?
- 3. State what you know of the organisation of the indigenous banking system in your district or province with regard to
  - (a) the amount of capital invested,
  - (b) the volume of their business,
  - (c) their expenses, and
  - (d) the relations between one indigenous bank and another and between indigenous banks and other banks in the country, (viz.) the Imperial Bank of India, the Joint Stock Banks and the Co-operative Banks.
- 4. State what you know of the various forms of hundis and other credit instruments used by the indigenous banks and bankers and the extent of their use. Give sample copies of any of the hundis, promissory notes, deposit receipts, etc., used in your locality.
- 5. State what you know of the indigenous bankers' methods of granting loans and allowing cash credits and the terms and nature of these loans and cash credits.

What are the means by which the indigenous banks and bankers provide themselves with funds to meet their demands?

What are the rates of interest allowed on various kinds of deposits received by them ?

6. What are the rates of interest either in money or in kind which the agricultural community has to pay at present to the indigenous banker?

In what manner do you suggest these rates could be brought down by better organisation?

Would the reduction of such rates confer great benefit on the agricultural community and increase its resources thereby leading either to an improvement in the standard of living or enabling them to spend more on agricultural improvements, better agricultural implements, etc.?

7. Is there a prejudice in your locality against the indigenous bankers?

Are these bankers sufficiently protected in law?

Is there any legal or other facility which can be extended to them?

Are the dealings of this class of bankers with their clientele conducted on sound lines ?  $\phantom{\Big|}^{\underline{}}$ 

If not, indicate the existing defects, making suggestions for remedying them.

8. Would you suggest any means of making this class of bankers more serviceable to the community?

Could you suggest any means by which the indigenous banking system in India could be improved and consolidated?

Do you recommend any special facilities to be given to this class for this purpose?

What do you think would be the attitude of the indigenous banking community towards the introduction of any measures for regulating their operations and for giving publicity to the same?

- 9. After making allowance for the legal expenses, management charges, losses through default and losses through foreclosure, can you give an idea of the net return to the indigenous banks and bankers on their capital?
- 10. Please state whether the indigenous banks and bankers are able to meet all demands for accommodation or whether they are obliged to refuse any either on account of the unacceptable nature of the security offered or owing to insufficiency of their working capital?
- 11. How in your opinion should the indigenous banking system be linked with the central money market and provincial capitals?

Would you suggest the establishment of a branch of a Joint Stock Bank, or a branch of a Central Reserve Bank, or a local Bank with local directorate, in each district with which the indigenous banking system may be connected?

In what manner could such a bank inspire the confidence of the indigenous bankers and be able to utilise the local knowledge and experience of the latter?

How is the competition of such a bank with the indigenous bankers to be avoided?

12. Do you think there is a large amount of money in the districts in the hands of indigenous bankers which does not find employment throughout the year?

Do you think that owing to this cause any large amount of money is nowing to the provincial capital either for long or for short periods?

Do you think any kind of improvement in the organisation of lending or borrowing can be made by which these funds instead of flowing to the provincial capitals would find remunerative employment in the districts and thereby benefit the districts?

#### III .- Investment habit and attraction of capital.

1. What are the existing banking resources in the province ?

Can you state the amount of additional capital, if any, required ?

What are the means or institutions in existence for encouraging savings and investment habit ?

Are the public provided with full facilities for the investment of their savings?

Can the existing facilities be improved in any way or extended in the smaller interior places?

Can you give any useful information in regard to the habits of the people of India to invest in silver and gold?

2. Are Postal Cash Certificates popular in your district or province and can any steps be taken to increase their popularity?

Do present interest rates of Cash Certificates require revision and do existing terms of issue in any way need change?

Do Savings Banks afford all possible facilities to the Public?

What classes of population resort to such forms of investment?

Can anything be done to attract other classes?

Have you anything to say regarding the alleged competition of Government with Banking institutions and bankers in regard to deposits by their attractive rates on Postal Cash Certificates and Treasury Bills?

3. State the existing facilities for purchase and sale of Government securities afforded by Government, the Imperial Bank of India and other Banks. Are you in favour of granting any special facilities to the small agriculturists and the small investors of the country to take up some form of Government security? If so, state what special facilities you recommend?

State the existing facilities for purchase and sale of securities other than Government securities, afforded by the various financial agencies.

Can you indicate clearly the habits of various groups of people in your district or province with reference to monies which come into their hands by sale of produce or through any other cause? Where do they keep this money and for what purposes and in what manner, do they use it?

Do the farmers lend to fellow agriculturists and on what terms? How do they invest surplus money in a prosperous year? Give any information you can regarding the amount, growth and distribution of capital among the indigenous population.

4. State what you know about the growth of cheque-habit.

What has been the effect of the abolition of stamp duty on cheques?

What classes of population use cheques? Have you any suggestions to make for further promoting the cheque habit (e.g., payment of Government servants and Bank employees above Rs. 100 by cheques)?

Have you any suggestions to make regarding the use of vernacular scripts in banking ?

5. Do you support the view that the banking and investment habit in India is of very slow growth?

If so, to what causes do you attribute it?

Have you any suggestions to make regarding the various possible means of educating the people of the country to invest their savings in productive undertakings (e.g., propaganda by Government in regard to Government loans for capital expenditure, etc.)?

As far as you know, what has been the result of the opening of new branches in recent years by the Imperial Bank of India?

Are your at the out of grant and you repoint totallines to the small agriculturated as any or A

formation in a continual language and distance as also to the

## ADDITIONAL QUESTIONS FOR THE BIHAR AND ORISSA PROVINCIAL BANKING ENQUIRY COMMITTEE.

- 1. Do you find that in the part of the province you know the native born inhabitants are backward in banking activity as compared with Indians from other parts of India? If so, what are the reasons?
- 2. Are branches of Joint Stock Banks, whose head offices are outside the province, to be found in your part of the province? If so, do they attract savings and export them for use outside the province which would otherwise be used within the province? Would you regard this as an evil, and if so, do you see any way to remedy it?
- 3. (a) Could the larger rural Post Offices, e.g., those at subdivisional headquarters extend their banking business, which already covers remittance, and Savings Bank accounts, by accepting current accounts on which customers could draw by cheque?

Should Government undertake this business pending the establishment of private Banks commanding confidence in rural areas?

- (b) Would it be posssible to link the indigenous banking system with the state post office banking system by entrusting, with provisions for adequate control, to such Post Offices another banking function, viz., the discounting of credit paper (hundis or other negotiable instruments) drawn by local merchants or money-lenders, if adequately backed by persons of substance or supported by collateral security? If so, what limitations and safeguards and what forms of control would you suggest?
- 4. Do you think there is any scope for banks or other credit agencies such as pawnshops lending on valuables, e.g., gold and silver ornaments? If so, should such institutions be state-owned, state-aided or merely subject to some state regulations?
- 5. Is it your experience that mahajans mix up in a single account with a client purely trading transactions, such as sale of cloth or grain, with banking transactions? If so, does that practice lead to evils which are capable of remedy by legislation, e.g., by insisting on separate accounts? Would such a separation inspire more confidence in the money-lending branch of the business?
- 6. Could Indigenous Bankers be more adequately protected by pooling information about their clients? Is there any obstacle to Indigenous Bankers combining for this purpose, e.g., the existing law of libel?
- 7. Is it possible or desirable to set up a class of licensed or registered money-lenders with special facilities and privileges whose operations may be controlled by the state in the interests of agriculture, small scale trade and small scale industries? If so, what restrictions would you place or their business? Would you restrict their lending to productive purposes only?
- 8. Is it your experience that an excessive proportion of savings is invested in land, thereby forcing up the price of land beyond the value which the returns therefrom would justify?
- 9. How do small urb n industries, small retail traders and small contractors obtain their finance? Have you any suggestions to make for improving their facilities?
- 10. Is any use made of the Usurious Loans Act (X of 1918) in your part of the province with which you are familiar? If not, can you explain why? Are there any other restrictions on usury in force, and if so, are they effective?

#### THE PHOTOGRAPHIC STORES & AGENCY CO.

IMPORTERS & EXPORTERS

AND

MANUFACTURERS' AGENTS.

ESTD. 1900 A. B.

68

CODES USED :--A.B.C. STH EDITION & BENTLEYS.

TELE, ADDRESS:--"GRETHOUND" CALCUTTA
TELEPHONE No. 4451 CALCUTTA.

154, DHURAMTOLLA STREET.

CALCUTTA. The 5th Sept. 1929.

The Secy: The Council of the Luthern, Church in Shota-Nagpur & Assam, Lutheran Compound, Ramchi (Behar).

Dear Sir.

Most respectfully we bring to your kind notice that we have not received your valued orders of blocks since a long time. You require lots of blocks in every month for your publication, but unfortunately we are not getting anything. Will you please consider about the matter and let us know at your earlist convenience, as we are amxiously waiting for your valued orders.

We are also very glad to learn from last letter that you are very much pleased with our works for which you have recommended to your friends and we are also giving you guarantee that we will give you far superior blocks from month for your publication, but unfortunately we are not getting anything. Will you please consider about the matter and let us know at your earlist convenience, as we are anxiously waiting for your valued orders.

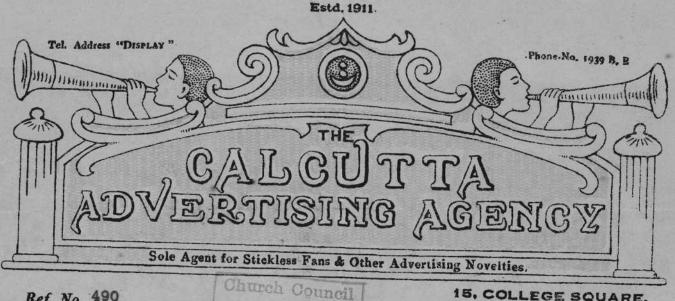
We are also very glad to learn from last letter that you are very much pleased with our works for which you have recommended to your friends and we are also giving you guarantee that we will give you far superior blocks from the good photos. In the meantime, we will be highly obliged should you kindly send us all your orders for blocks of photo goods.

As regards the Kuglar Cameras, we are sending herewith our pricelist and specimen copies for your inspection with some other catalogues which we hope will get a good business from you. Our general catalogues is at present under printing and we will send you as soon as it will be published.

Thanking you in anticipation and trusting to be favoured with your valued orders.

The Photographic Stores & Figency Co.

Encl :- One Pricelist.



Ref No 490

To

The Editor,

The Charbandhu,

Lutheran Compound, Ranchi.

15, COLLEGE SQUARE, CALCUTTA.

25th July 1929.

Dear Sir, Yours of the kind favour No. 796/29 dated the 20th July

Lutheran Compound, Ranchi.

Dear Sir, Yours of the kind favour No. 796/29 dated the 20th July is duly to hand. We shall be only too glad to secure advts. for a paper like yours which belongs to a mission and whose sole object is to do good to the mankind in general. But unless we see the papers ourselves, know the rates for advt. and number of circulation, we can not approach our parties to suggest your name to be included in their list of advts. Therefore please send us a few specimen copies of your latest issuees together with the rates and commission you will allow.

Always at your service,

Yours faithfully,

Manager.

898/29. F. - 42.

31st August, 1929.x

To.

Messrs, Thacker, Spink & Co. . Book-sellers and Stationers Calcutta.

Sir,

Please send me by V.P.P. the following Imperial Acts ( Government of India Publications ) by V. P. P. to the address abov and oblige.

Yours faithfully,

1. Administration of Estates of Native Christians Act VII of 1901.

2. Births, Deaths and Marriages Registration Secretary. Act VI of 1886. ( Amended )

3. Divorce Act IV of 1869.

4. Foreign Marriage Act XIV of 1903.

5. Marriage Validation Act II of 1892.

6. Native Converts' Marriage Dissolution Act XXI of 1866.

7. Special Marriage Act III of 1872.

N. B. - A supply of your Book-Circulars etc. if sent will greatly oblige.

#### Received from the Treasurer this day the followings :-

1.	Office	oblong	envelopes	. 300+800.
ner B		a at Tr and The	A	

- 2. Office 64 x 5 W.E. envelopes...... 250.
- 3. Office commercial size envelopes..... 500.

Ranchi.

The 18th Sept. 1929.

Secretary,

G. E.L. Church Council.

RANCHI.

C.	B.	No.	27.7

Chotanagher Christian THE CENTRAL CO-OPERATIVE BANK, LIMITED. The 28th August, 1929.

DEAR SIR.

I BEG to acknowledge receipt of your letter No. 870/29 dated 24/8/29 . It is receiving

careful attention

Yours FAITHFULLY,

Podakor Secretary.

To The Genetary , G. E. L. Church Council.

# Church Council Received 28. 4. 9. Register No. 920. Date 28. 8. 9. File 4. 6. Reply No.

No. 1457 .

THE HONORARY SECRETARY,
Chotanagpur Central Christian Co-op. Bank, Ltd.,
RANCHI,

To,

The Secretary,

Church Council,

Dated Ranchi the 20 th August 1929.

SIR.

I have the honour to communicate the following extract from the Resolution of the Re-organisation Committee held on 12.8.29, for your information and necessary action.

I have the honour to be, Sir, Your most obedient servant

Honorary Secretary.

EXTRACT FROM THE MINUTES OF THE RE-ORGANISATION COMMITTEE

Meeting held on 12.8.29.

Item No.2 (b):- After some talk regarding the disposal of the Bank Building in case the Bank is liquidated it was resolved:-

That the Church Council be requested to give a registered agreement that in case the Bank be liquidated the Church Council will buy the Building at a price agreed upon between the liquidator and the Church Council, or in case of disagreement, at a price fixed by a Board of Arbitrators which will not exceed the original cost of the Building. The Board of Arbitrators to consist of three members -one to be nominated by

by the Church Council, the other by the liquidator, and the third be the Deputy Commissioner of Ranchi.

If the Church Council is not in a position to pay immediately the price fixed upon, the Board of arbitrators will fix the time limit within which the Church Council will pay the amount.

Honorary Secretary.

#### The Cossner Luangelical Butheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad, Ranchi (Behar) ]

From,

No. 870/29... F. 42.

P. Hurad, Esquire.

Secretary, G.E.L. Church, Chotanagpur & Assam.

To,

RANCHI.

The Honorary Secretary,

Chotanagpur Central Christian Co-op. Bank, Ltd. R A N C H I.

Dated Ranchi, the .. 24th .. August .... 19 25.

Sir,

Edverting to your Office No. 1457 of the 20th August current, I am to invite your attention to this Office letter No. 549/29/ F.- 42 ( vide also C.C. minutes April 3-11,1929, Item 13; p. 4, a copy of which has already been forwarded to your and to say that the Church Council is prepared to buy the Bank building at a reasonable price agreed upon by the Bank Authorities and the Council or by a competent body of arbitration. The price will certainly not exceed the original cost, considering the general practice of allowing the value of depreciation.

Your letter under reference does not raise any new question excepting that the Council give an undertaking to execute a registered Agreement. It appears to demand too much from the Council which gives you a registered lease for the land. In any case, I shall place this matter before the full Council which meets in October next, and let you know the result.

I have the honor to be.

Sir.

Your most obedient servant.

Secretary.

funul

#### STATIONERY ARTICLES FOR 1929-30.

1.	Pencils.				•	•	•	•	•		6	
2.	Braser .		•								1	
3.	Blue and	red p	enci	1.						•	1	
4.	Foolscap	paper	(WI	itin	g)	•		•		0	6	quires.
5.	Type writ	er ri	bbon	S				•			2.	
6.	(G) nibs.			0							29	•
7.	One bottl	9 Glo	у.								1	
8.	Flat File	s .						•			12	
9.	Manifold	paper	s qu	arto	siz	e.					8	reams
10.	Type-writ	er pa	per	" con	quer	or x	ixeq	uali	ty		1	ee am
11.	Typewriti	ng pa	per	fool	scap	siz	e.				1	ream
12.	Typewriti	ng th	in p	aper	foo	lsca	p si	20.			1	ream.
13.	Gem clip								•		1	box.
14.	Paper fas	tener									1	0
15.	Typewrite	r oil									1	phial.
16.	Carbon pa	pers						•			1	box.
17.	Blotting p	apers									6	sheets.

Received the above Stationery goods from Rev. M. Prehn.

Ranchi.

The 23rd August, 1929.

Secretary.

THE COUNCIL OF

The Gossner Grangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

RANCHI, (Behar) INDIA.



No - 857 /29:

Ranchi, the 21st. August, 1929.

With reference to his Post Card of 18th. July (?) last received in this Office on the 20th. of August current, Mr. P. M. Kachchhap is informed that he is advised to try to live separately and then to seek admittance into his own Church farst. Even then if he is anxious to join the Lutheran Church he can do so by applying to the Council formally. It will then see what it can do best for him But in any case the Lutheran Church can not undertake to disrespect the discipline of another Church.

SECRET ARY.

G.E.L. Church, Chota Nagpur

and Assam .

C/O B.T. Company. Chahala. P.O. BARPADA.

(Maurbhanj)

Mr. P. M. Kachchhap.

#### POST



Please make a correspondence with Mr.D.
Nar of Xbari also.

We are keeping well here and hope to hear the same from you.

With best wishes to all of you.

To

The Secretary of G.E.I.

Received . Lo. S .. 39. R A N C H I.

Register No. 908.

Date. 18. 8. 99.

Reply No.....

Date .....

B.N.RY

To

### The Secretary of G.E.L.Church ASSAM & CHOTNAGPUR

Dear Sirs.

I shall be highly obliged if you would be so kind enough as to enlighten me if my called has been settled as prayed. I have not lost my --- heart to listen from you. Further I pray if my --- case will meet you suitable then kindly inform me at your earliest convenience.

Soliciting to have a favourable reply

on the subject.

Yours faithfully,

P.M. Kachchhap

co B. Teo dold

co Bankada.

853/29. F. 42. 19th August 1929x

To

Mr. hiron K. Dey,

Mission house,

Kurigram

N. Bengal.

Dear Mr. Dey,

Your letter of 16th instant to hand. In reply I wish to inform you with regret that at present there has been no opening in our field in the Gossner Church and there are still some graduates and undergraduates who have to be employed when vacancies occur.

Yours faithfully.

Secretary.

G. E. L. Church Council,

RABCHI.

be think enough to let me know whether there is any Mission post vacant either in Educational or Evangelistic line at your distocal.

I have been engaged in this Church of God Mission Since the Middle of the year 1924. I have to do here different thinds of work e, g, Educational Inspection in Primary Schools, Religious teaching in those schools, Evangelist and Colfortever.

Now this mission is not able to Keep we and others owing to Shortage of funds. I am a married man and have a wife and Child.

I have read upto the I.A.

Standard. I have also obtained a Serior Gune Training Certificate. I was a 1st. Class Boy Scout. In case you need the Services of a young man of my qualifications and I hear from you favourably, I can send you copies of my Lestimenials. I was request wo have with this sogards in yours Daithfully Hiron Kindey. yours from July In reply to his letter states the 16th augusts 1929, mr. Hiraw K. Day is informed that the Socener Church in Ranghi + in the districto have no openings, as the total youngmen

have abrindy been employed that to make

troom for their in the future.

Stourdand. I have also obtained a Series June Training Conficate. of Dear mr. Day. Your letter if to the involant to hand. In suply I wish to inform you with regret that at present their has been no opening in our field in the Secons Chir. as our youngmen have whenly her complyed I then are still some graduates of underforduals who have to be emplyed when vacanicis pour H workit G yours finter July I reply to his letter dated the 16th august 1929 " Tree Herran K. Day to und worned that That Governo Charale in Ronalis for the destricts and no openings, so the local youngmen have whenly here enfolgs that to nake to some for their in the future.

D.O. 845

10th. August 1929

Dear Sir,

In continuation of my D.O. No. 831/29/F.-42 of the 26th. July, 1929. I am sending the enclosed complete list of names whom I have selected for Training Class. The persons are accompanying this letter. Only two marked with asterisk are just now absent but are expected later on.

Yours sincerely,

SECREPARY.

To:

J. W. Howlton, Esquire.

Settlement Officer .

Ranchi.

#### List of names for Amin Training Class.

24

30.

24.

25

1. Philip Barla, Ranchi, Matric - 30 Ye	ears.	
2. Suleman Horo, Karum, M.E 23	11	
3. Timothius Dang, M.E. G.T 35	a	
4. Jusaph Herenj, Chainpur, U.P. 24	0	
5. Daud Herenj, Patramuchhiya, U. P. 25	69	
6 Prabhusahay Kongari, Bisrampur. M.E.	. 25	Years.
7. Masihdas Kandulna, Baribiringa M.E.	22	Years.
8. Martin Kandulna, Baribiringa. M.E.	23	years
9. Johan Kandulna, Tutikel Raibera. M. E.	. 23	
10. Dulal Sanga, Jaltanda, Matric	30	68
11. Silas Barla, Kura. M.E.	36	61
12. Habil Kerketta, Renrws. U.P.	23	0
13. Philemon Khalkho, Jaddi. M.E.	23	49
14. Melprakash Kujur, Jaddi. N.E.	23	Ħ
15. Patras Kandulna, M.E.	30	68

16. Mansidh Kongari, M.E.

\* 18 Immanuel Jojowar, M. E.

\* 19. Dayadham Minz, M.E.

17. Kuril Khalkho, Kathartoly. M. E.

I am starting a training class for Ho amins next month in Chaibassa, and another class for Mundas, Oraons and others in Ranchi. This latter class will start about August 12th next. I have already got a list of about 60 Munda and Oraon candidates, but more are required. Can you send me about 35 names of Mundas batch and Oraons of over 19 years of age? Many of the last were too young for the post.

Those whose names are sent to me should be told to appear at the Settlement Office, Ranchi at 1 P.M. on the 10th August for an interview at which we shall select candidates for the training class.

Yours sincerely,

moculton

To

Rev. Joel Lakra, M.A., B.D., S.T.M., Lutheran Mission, Ranchi. No 831/29-129

26 July. 1929.

To .

J. W. Howlton, Esq. Settlement Officer. Ranchi.

Dear Sir,

Your D.O. No. 730-32 of the 24th.current, addressed to the Rev. J. Lakra, Principal of our High School, was forwarded to me this afternoon. I have this day issued instructions to our nearest stations to send us Munda and Oraon applicants to undergo the training intended for the Amins. I hope I shall be able to send you 35 men you require at present.

I shall appreciate your sending Departmental communications or - such other news direct to me in future to facilitate prompt action.

Yours sincerely,

SECRETARY .

No 793/25.

20th. July, 1929.

The Photographic Stores & Agency CO. 154 Dhurrumtolla Street.

Dear Sirs,

Your letter of 13th. July to hand. In accordance with your wishes I have destroyed the block which you sent me wrongly sometimes back.

I take this opportunity of expressing my great satisfaction on the execution of the works which you did for us. The blocks you made are in no way inferior to those which we used to get from other houses of block-makers. I can
recommend you to all my friends and to those who care for really good blocks for
their periodicals and for other purposes.

I find I owe you a small sum on your old Bills. The same will be remitted to you in due course.

I should be glad if you will kindly send me your new illustrated Pricelist of "Kuglar" cameras and other photo materilas at an early date and oblige.

Yours faithfully,

760/29. F. 42. 8th. July, 1929.

Dear Sir,

Thank you for your letter of the 2nd. instant from Calcutta.

I will be at Principal Lakra's bungalow on Tuesday evening at 6. P.M. on some b business and shall be glad to meet you there in the Gossner High - School compound at the Principal's residence at 6.30 P.M.

Mr. Lakra is also a member of our Church Council and we two shall be much pleased to talk matters over with you.

Hope the time will suit you.

TUESDAY 9th. July. 6.30. P.M.

Yours faithfully.

-SECRET ARY.

G.E.L. Church , Ranchi .

Ohurch	Council
Received.	4.7-35.
Register	No 831:
File.42	7.4
Reply No	
Date	

## Messrs. Wm. Hill & Son, Norman & Beard Ltd.,

ORGAN BUILDERS.

POST BOX 9045.

CALCUTTA JULY 2nd. 1929.

F. SANDS.

AGENT FOR THE EAST:

REPRESENTATIVE

TO:-

THE CHIEF PRIEST?

THE LUTHERAN CHURCH?

RANCHI. B. N. R.

O Bear Sir,

I thank you for your letter regarding your Organ at the Lutheran Chur ch whilst I write here to say that I shall be Coming down to Ranchi next week & shall be arriving on Monday morning, July 8th., & between then & Thursday the same week, I will call on you to see what can be done about your Organ.

whilst I write here to say that I shall be Coming down to Ranchi next week & shall be arriving on Monday morning, July 8th., & between then & Thursday the same week, I will call on you to see what can be done about your Organ.

Perhaps you would kindly write to me at "c/o Clayton's Hotel, Ranchi.

giving me the address where I may see you or anyone of your people in authority who can say exactly what is to be done.

Any evening after six o'clock %% would suit me well, if you would be good enough to notify me, at the above Hotel.

Yrs. faithfull

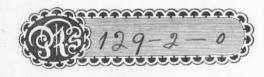
Messre. WILLIAM HILL & SON. NORMAN & BEARD LTD.

per pro

POST BOX 9045. . CALCUTTA.

teceived from the Treasurer of the G. E. L. Church the sum of Rupees

for: 2 V. P. D articles Doccipto from Calcutta - 10: 4 Frehn hoto prophic Stores Aguncy and Machini for 192.



The 19-6-1929.

Philinkey,

for Secretary church connal Ranchi:

19.6.29

2 - R 130. - 5 - a 129.2 & Colum

gile ye Church Council Received 19.6.29. G. E. L. Wission Press Register No.7.91 ... Printing, Publishing and Book Binding Date 17.6. 29 Ranchi, Bihar and Orissa. Dated 17 - 6 - 1929. I. Homad, Eng., Secretary Church Council Layoli. Mahashay Bengali Catechism Kuchh bahut Compose kiya gaya tha aur uska proof bhi nikala aur Babu Vahum Ke pas Furnia bheja gaya lekin wale phir nahim lanta par those din hne ap ke office se admi ake bola ki ab Bengali Catechism nahin chhapa jayega so wah band Kiya gaya am jo compose kiya gaya tha so bhi tor diya gaya.

Anka E. Pinte.

#### Tea Districts Labour Association.

RECD. TELECRAPHIC ADDRESS: "LABOUR."

No. 23/13.

RANCHI Agency.

17th May, 192 9.

Received 18.5.23 Hurad,

Register No 746 ...

Secretary,

Ranchi.

Ronly No.... Dear Sir,

With reference to your letter No.

661/29 of date the woman with a child in question, does not seem to have come here, but it is possible that they have gone through one of the other recruiting Agencies

I am, Dear Sir,

Yours faithfully, w. I m. Muns

Local Agent.

Mecewed 18.4.4. held on 16.3.29.

Resolution No.2 (II) (d):- The Church Council be approached to call on the members of the Church to subscribe = 4/4/- only per family for a Church Office in which case the Building be given to the Church to use it as its Office.

(e):- Mr. Panna and Church Council be asked to consider whether or not the Church Council could give a permanent lease of the ground in which case Mr. Panna completes the Building as soon as possible and take it over from that Bank and reemburse the actual cost.

OFFICE OF THE CHOTANAGPUR CENTRAL CHRISTIAN CO-OPERATIVE BANK Ltd, RANCHI.

Memo No.. 50/.. Dated Ranchi the 18th April, 29.

Copy forwarded to the Secretary G.E.L.Church Council for favour of necessary action.

I have the honour to be, Sir,

Your most obedient servant,

Honorary Secretary

P/B. 18.4.29.

#### THE PHOTOGRAPHIC STORES & AGENCY CO.

#### IMPORTERS & EXPORTERS

AND

MANUFACTURERS' AGENTS.

ESTD. 1900 A. D.

-68

CODES USED :- A.B.C. STH EDITION & SENTLEYS.

TELE. ADDRESS:- "GREYHOUND" CALCUTTA
TELEPHONE No. 4451 CALCUTTA-

Church C	ouncil
Received .25	-6.19.
Register N	802.
Date 24	THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NAMED IN COLUMN TW
File. 42	
Reply No	
Date	

154. DHURAMTOLLA STREET.

CALCUTTA, The 24th June 192 9.

The Secretary, G. E. L. Church, Ranchi.

Dear Rev. Father,

your two blocks have been despatched on last Saturday for your urgent necessary, but unfortunately, we have despatched by mistake another block with your parcel which you will find in your V.P. The block which was left behind was sent again on the same day by a sample post, as we cannot catch the mail. However please

your two blocks have been despatched on last Saturday for your urgent necessary, but unfortunately, we have despatched by mistake another block with your parcel which you will find in your V.P. The block which was left behind was sent again on the same day by a sample post, as we cannot catch the mail. However please excuse us for the fault and we hope that both the parcel will reach you in time.

As regards the other photo of the block which was sent to you by mistake, we will be highly obliged should you kindly return the same on the receipt of the goods, as we are in urgent need of it and the block you send later on.

We also beg to inform you about the Invoice and V.P. amount on which you will find some difference in price. We have drawn less than one invoice amount as we have changed the wrong block first. However, we will draw the balance amount in your next invoice which please note.

Thanking you in anticipation and trusting to be favoured with your valued orders at all times.

Yours tr-uly,

The Photographic Stores & Steerey C

719/29. F. 42. 24th June 1929. xxxx

To

The Photographic Stores

& Agency Co Ltd.

Dharumtolla St.

Calcutta.

Dear Sirs,

Thank you very much for the 2 blocks for which I sent you the order the other day. I am much pleased with these. These go to Press today and hope will give very good impressions.

I got your Card too. The parcel containing the 2 blocks sent by V.P.P. reached me this afternoon. There is the block which is sent to me by mistake as you say. As you ask for the copy of the block only and not the itself, am enclosing the same and hope will reach you in good order. I am really sorry for the mistake thus made as surely this has caused a lot of worry and expense.

Thanking you again.

I remain.

Yours singerely

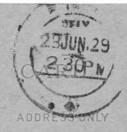
Secretary.

G. E. L. Church Council

Ranchi.

## POST







WRITING SPACE

Church Council
Received 24.6.24.
Register No. 24.7.
Date 22.6. 14.
File 42.
Reply No.

The Secretary

G. E. G. Church

Kanchi

## The Photographic Stores & Agency &

154, Dhurrumtellah St. Galcutta.

22. 6.29

Dear falli,

We beg to draw your attention who fact that we first dispatched one V. Playou can lain two Blocks but one does not belong toyou which accompanied by mistake and Therefore we sent you stock again by ordinary sample hast lody which we trust wit reach you duly on receipt of the wo parts please send us the Copy of the wrongly but stock as and not the Mock it till as we are making another lived The Photographic Stores & Hoenes Co

SOLE AGENTS FOR HUNTER PENROSE & CO CALIFORNIA CARD MFG G. KUGLER & CO. RUSSIA CEMENT CO. CARL & POULSEN & SOI ORION CAMERA CO.	Received .2 Register N Date 22.	6 29	Tele. Ad	dress: "GREYNO	4461.	12.9	
The Photographic S	ccount and risk of	per lost	to	l l Carr			<i>y</i>
				1	1	-	
1 Coppe	r halt løne 18th	28 /2 C/7	12	76	/		

Dech Horing The Photographic Stores & Manney Co. n. CHESS RESIDENT LA Over a month from a constant WE SEED TO SEED TO Its last or part The Same Called Stores on Call Call SEPAL SERVICE HUSE

702/29.

19th. June 1929.

To The Photographic Stores & Agency Co.
154 Dhurrumtolla Street.
CALCUTTA.

Dear Sirs,

Your invoice for the package containing the blocks and the V.P. for the amount of Rs 121-2-0 contains the Railway Receipt have both been delivered to me yesterday for which thanks. I hope to get the parcel this afternoon.

I am sorry that before going out on my visitation tour, I had left instructions in the office to send you 2 more photographs. By mistake or by oversight the clerk could not do it. Now I am sending these 2 photographs by this mail. Please let me have the blocks of these within the shortest time possible. I believe it went take you more than 2 days to finish. Please send the parcel by V.P.Post. so as to reach me by Monday next at latest.

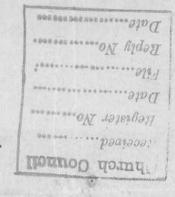
Hope you will do this and oblige.

Yours faithfully.

Jile Jo.

To

The Secretary of Lutjeran Church R A N C H I.



Dear Sir.

I most humbly and respectfully beg to pen you a few lines, trusting

that you would be good enough to pay me a favourable reply.

As regards my case I wish to disclose it fully with a request that you would kindly throwa light to me. You know throughly well that I got marraied here in Singbhum District with the daughter of a respectable man but she breathed her last and left one child behind me. I was in thought about my child that if I will get marraied with my sisterinlaw, possibly she can take much interest in future than other women, but this is against the Church of England and now I have broken the law. My sisterinlaw is living with me and I applied to the Lord Bishop of Chotanagpur requesting him to allow me for this matter. In reply he has written me that it is both against the law of Christians & State of India and no excuse can he made even if a marraige can be held.

I therefore request you and wish to know if a man is allowed to get marraied with his sisterinlaw or not ? as I donot know fully well in---Lutheran Church also. If it can be possible then would you be good enough to take me in Lutheran Church.

As regards for Church believing I have not studied well now and it does not appear that I have tested the root of Lutheranz Church. Simply I know that we have Bishops in High English Church but Lutheran do not----follow the Bishops at all.

I therefore request you and wish to know if a man is allowed to get marraied with his sisterinlaw or not? as I donot know fully well in---Lutheran Church also. If it can be possible then would you be good enough to take me in Lutheran Church.

As regards for Church believing I have not studied well now and it does not appear that I have tested the root of Lutheranz Church. Simply I know that we have Bishops in High English Church but Lutheran do not----follow the Bishops at all.

My own casex has fallen without a basis accordingly I wish to remain in the Lutheran Cgurch if you will kindly take me there and if I will get marraied with my sisterinlaw.

Hoping that you would kindly drop a word to me at your earliest

convenience.

(	Jhw	ch	Cor	mei	1
	Danoi	nad	11-	2.2	
	Regi	eter.	No.	536	
	Date File.		-7		-1
	File.	4	12	******	1
-	Repl	y No			
1	Dat	B			n. n.

I beg to remain

Yours most obedient servant

Pm. Kache Map.
ejo. B. J. Go. Led
Co. Baripada
Vay webbarj
Etate



Referring yours of the 13th inst., No. F.-42

Dear Father,

We are in due receipt of yours of the 13th inst., and beg to note the contents.

As regards blocks, we beg to point out that we have already despatched the same to-day and we hope, this will reach you safely in due course, and on receipt of which, please acknowledge and oblige.

Thanking you in anticipation.

Yours faithfully,

The Photographic Stures & Ligency Co.

#### SOLE AGENTS FOR:

HUNTER PENROSE & Co., LTD. CALIFORNIA CARD MFG. Co. G. KUGLER & Co. RUSSIA CEMENT Co. CARL & POULSEN & SOHN.

ORION CAMERA CO.

No. 4/82/ 64, DHURRAMTOLLAH STREET, Tele. Address : "GREYHOUND" Cal Telephone No. Cal. 4461.

Calcutta, 15. 6. 1929.

Order No	d/d	R/R. or Parcels despatche	ed per V.P.
1	Copper Lalyton 1810c	K 125g in	
1	A	11/2 1	
1	A	12 1/2 "	
1		13 /2 "	
1	и	12 "	
1	-A	19 1/2 "	
1		20 "	
1	4	48 11	
1	4	32 4	
1	h.	21 1	
1	la la	14/2 "	
	· ·	131/2 /	
		232 @+7/- 101	18-1
3	h 2	fm 641- 12	
			12 - 1
	4 /	3/2 0-18 6	
		120	4 -
		odest -	4 - 1919
		101	12/2
			Case
		The Enotographia	Beeres & Masney &

#### THE PHOTOGRAPHIC STORES & AGENCY CO.

IMPORTERS & EXPORTERS

AND

MANUFACTURERS' AGENTS.

ESTD. 1900 A. B.

CODES USED :-A.B.C. STH EDITION & BENTLEYS.

TELE. ADDRESS:-"GREYHOUND" CALCUTTA

TELEPHONE No. 4461 CALCUTTA.

The clarke has no on the first on the state of the state

The Secretary, G. E. L. Church, Ranchi.

154. DHURAMTOLLA STREET.

CALCUTTA. The 31st May 192 9.

Dear Rev. Father.

We have the pleasure to acknowledge the receipt of your letter No.676/F-42 dated 27th inst., with some photographs for block making and we thank you very much for the same. We have got them properl-y in time and noted all the instructions. But in case of the blocks for German Report, we beg to inform you that we are also making these two blocks on copper, as on Zinc the work will not be similar to original, which please note. We also find on our favour of the 27th inst., that the Zinc are in no way inferior to those or copper; but, this is a very wrong idea for halftone blocks. You will find great difference shading, tone, brightness and impression. However, in order to produce good job, we are doing all these blocks on copper.

As regards your last para, we beg to inform you that it is useless to send the proofs of one colour ordinary blocks for approval. We do not send any such proofs

copper, as on Zinc the work will not be similar to original, which please note. We also find on our favour of the 27th inst., that the Zinc are in no way inferior to those or copper; but, this is a very wrong idea for halftone blocks. You will find great difference shading, tone, brightness and impression. However, in order to produce good job, we are doing all these blocks on copper.

As regards your last para, we beg to inform you that it is useless to send the proofs of one colour ordinary blocks for approval. We do not send any such proofs to our customer excepting the tricolour blocks which require the parties inspection first before receiving the blocks. But for the one colour blocks, we give you guarantee that you will find no defects in our works, as it is executed under the supervision of long experienced hands. However, for your satisfaction, we will send you the proofs of 16 blocks in the end of the next week and hope these will come to your entire satisfaction.

Thanking you in anticipation, and trusting to be favoured with your valued orders.

Yours faithfully.



No. 693/29 F. - 42

15th. th. June

29.

The PHOTOGRAPHIC STORES & AGENCY CO.
Block makers & Printers.
134 Dhurrumtolla Street.
C A L C U T T A.

Dear Sire,

On returning from my visitation tour I om sorry to find that there has been no response to my letter of the 27th. May last along with which I sent you in a registered cover a number of photographs and prints for making picture blocks for letter-press printing. In you/letter of 23rd. May in acknowledging receipt of my letter you stated that you sent the pictures to your works for quick execution and awaited my letter of confirmation as regards terms and estimates.

I was under the impression that the blocks had already been prepared and sent to my office, where I had left instructions to take delivery of the V.P.P. parcel which you proposed to send. The blocks are now urgently needed and therefore if I would ask you kindly to let me have the blocks without delay. Please treat this matter VERY URGENT and let me have a reply by return of mail and greatly oblige.

Yours faithfully,

Secretary.

N.B.- Por your reference I enclose a copy of my letter of 27-5-29.

The Photographic Stores & Agency Co.

154 Dhuramtolla Street,

C A L C T T A.

Dear Sirs,

Yours of 23rd, with your Scale of Block-making ates for which thanks. To-day I am enclosing another lot of photographs and prints, one a clipping from a magazine. You wanted me to send you the original photos in place of the prints and I did my best to help you here and am successful to some extent. Now you need not use the prints from the "Young Men of India" which are replaced by 2 photos. As for the rest I am very sorry there is no help and you will kindly reproduce them from the German Report. Further the interior of the Ranchi Church (No.9 of my previous letter) is also replaced by a photograph. Thus I have to get 16 blocks in all.

The illustrations from the books need not be on copper. You will please give them squared up on zinc only. Only the photos may be supplied on squared up copper. Our experience has been that those on zinc are in no way inferior to those on copper. The ones shown in our German Report are from those on zinc. We do not wish to take or bring away these from our Home Board Office in Berlin and are therefore inclined to get these made here in India.

The blocks when ready may be delivered to me by V.P.P. But may I have the sample copies of the illustrations or impressions from those blocks when ready prior to their being despatched to me for delivery? This might cause a little delay but will save us a lot a trouble in future.

 $No. \frac{686/29}{F_{\bullet} - 42}$ 

3rd June 1929. x

To, The Rev. Dr. W. Dempster.

U.F. Church of Dectland Mission.

Pachamba. Dear Doctor Dempster.

Your kind letter of 16th and the M.O. of
Rs 5/- for which many thanks. I note that the marriage of one pair
could not be performed. I hope the difficulty and obstacles will
be removed in good time and what is proper will be done for them.

I am particularly glad that you have been taking so much interest in the shepherding of Bokaro Christians of whatever denomination they may be. I placed your suggestions before our Church Council which expressed its great appreciation of the spirit with which you view the situation there. I am glad to say that the Council will consider this question of posting a pastor at Bokaro sympathetically on hearing from you the result of your negotiations with Mr. Hardy. We shall also thank you if you will kindly let us know the strength of the Indian Christians there and the probable contributions which may be expected from them every month.

Hoping to hear further on this.

With Christian Greeting.
Yours sincerely.

becretary.

G. E. L. Church Counci

No. 685/29

3rd June, 1929. x

To.

T.H. Andrew, Maq.

Messrs Wm. Hill & Son.

Norman & Beard Ltd.

Calcutta.

Dear Sir.

Received your kind letter of May 27th 1929, m d thank you. The question of repairing our Organ in the Church we shall consider on your coming to Ranchi in July as you mention. We shall be very much pleased to have it repaired and have been thinking along that line for some time past.

Faithfully Yours,

Secretary,

G. E. L. Church Council.

RANCHI.

lessrs. Wm. Hill & Son, Norman & Beard Ltd.,

ORGAN BUILDERS.

POST BOX 9045.

MAY 27th., 1929.

CALCUTTA

TO :-

THE PRIEST. CHIEF LUTHERAN THE

CHURCE.

RANCHI. B.N.Ry ..

REVEREND SIR,

Church Council Received 30 5.95.

Register No.76.3 .. Date 27.5. 29:

> AGENT FOR THE EAST: F. SANDS.

CALCUTTA & DISTRICT

Date REPRESENTATIVE T. H. ANDREW.

48

Upon visiting Ranchi last year about this timespon my Annual visit to the Organ at the Anglican Cathedral, I took the opportunity of visiting your Churcha to note what type of Organ you had at your Church, & saw the small one up in the Western Gallery which was then in a more or less delapidated condition & seemingly unplayable. I shall be personally visiting Ranchi in early July & should deem it a favour if I might eall on you to ascertain from you if you have any ideas as to repairing the Organ thoroughly & thereafter perhaps coming to some arrangement with you with reference to a yearly visit when I do the Organ at the Anglican Cathedral -such an arrangement would make it cheaper for both Churches than individual visits.

I desire to point out, too, that we have a permanent establishment in Calcutta - se that we shall always be able ton keep your Instru--ment in repair for you, as required, - whilst our work is always dene by - or is under the personal supervision of a European. Should you not require your Organ .-- we would be prepared. for a small sum, to buy up the Pipes & take them away, the woodwork being O CO

# Messrs. Wm. Hill & Son, Norman & Beard Ltd.,

ORGAN BUILDERS.

POST BOX 9045.

F. SANDS.

CALCUTTA & DISTRICT
REPRESENTATIVE—

T. H. ANDREW.

CALCUTTA

2. (contd.)

of no use to us as far as I recollect.

I should appreciate the favour of a reply from you with reference to the above, whilst, at all times, assuring you of our best Services,

We are.

Reverend Sir,

Paithfully, Yrso,

per pre Wm. Hill & Sen,

Norman & Beard Ltdo.

676. F.-42. 27 May, 1929.

The Photographic Stores & Agency Co.

154 Dhuramtella Street.

GALOUTTA.

Dear Sire,

Yours of 23rd. with your Scale of Block-making Rates for which thanks. To-day I am enclosing another lot of photographs and prints, one a clipping from a magazine. You wanted me to send you the original photos in place of the prints and I did my best to help you here and I am successful to some extent. New you need not use the prints from the "Young Men of India" which are replaced by 2 photos. As for the rest I am very sorry there is no help and you will kindly reproduce them from the German Report. Further the interior of the Ranchi Church ( No. 9 of my previous letter) is also replaced by a photograph. Thus I have to get 16 blocks in all.

The illustrations from the books need not be on copper. You will please give them squared up on zinc only. Only the photos may be supplied on squared up copper. Our experience has been that those on zinc are in no way inferior to those on copper. The ones shown in our German Report are from those on zinc. We do not wish to take or bring away these from our Home Board Office in Berlin and are therefore inclined to get these made here in India.

The blocks when ready may be delivered to me by V.P.P. But may I have the sample copies of the illustrations or impressions from those blocks when ready prior to their beng despatched to me for delivery? This might cause a little delay but will save us a lot a trouble in future.

Yours faithfully.

#### THE PHOTOGRAPHIC STORES & AGENCY CO.

IMPORTERS & EXPORTERS

AND

MANUFACTURERS' AGENTS.

---

ESTD. 1900 A. D.

-68-

CODES USED :- A.B.C. 5TH EDITION & BENTLEYS.

TELE. ADDRESS:- "GREYHOUND" CALCUTTA:

TELEPHONE NO. 4481 CALCUTTA.

Received 15.5. 4.
Register No 754.
Date: 23.5.4.
Reply No......
Date: Date: 2...

154, DHURAMTOLLA STREET.

CALCUTTA, The 23rd May 1929 .

The Secretary, G. E. L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

We have the pleasure to acknowledge the receipt of your letter No. 671 dated 21st inst., and the registered parcel containing some orders for block, for which we thank you very much. We have noted the instruction and sent them to our works for quick execution, as soon as we will get the confirmation letter from your goodselves. We could start the work immediately, but owing to your request for terms and estimate, we are obliged to stop it. However, please do not delay in replying to our letter, if possible, you can wire. We will finish those blocks within a week's time and will send them to you by V.P.P., which we are generally doing for our up-country houses.

As regards the rate, we are sending herewith our price-list, which we are charging from all our customers both in Calcutta and up-country. We will charge -/7/- per Sq.inch

letter from your goodselves. We could start the work immediately, but owing to your request for terms and estimate, we are obliged to stop it. However, please do not delay in replying to our letter, if possible, you can wire. We will finish those blocks within a week's time and will send them to you by V.P.P., which we are generally doing for our up-country houses.

As regards the rate, we are sending herewith our price-list, which we are charging from all our customers both in Calcutta and up-country. We will charge -/7/- per Sq.inch for the squared up copper halftone blocks bigger than 9 Sq. inch and those which are upto 9 Sq.inch or less, then it will be charged as a minimum Rs.4/- each, which please note. We also beg to inform you that please try to send original photos for block making not the prints of press, as you will get very nice blocks from the photos than the prints. However, we trying to get good blocks from the prints which you have sent to us and the sizes will be as per original. We have got a very nice block-making department with up-to-date machineries and expert hands and our works are executed under the proper supervision of long experineced hands. We are doing works of some Catholical Baptist Mission of India, Railways, Big Europeans and Government Press and they are quite satisfied with our works, promptness and nice dealing, which we must try to show you.

Thanking you in anticipation and trusting to be favoured with your further valued orders at all times.

Yours faithfully,

The Metagraphia Stores & Algority Co.

#### SPECIAL NOTICE.

We import Mander Brothers' Printing Inks and Varnishes in very large quantities and our Customers and Constituents are kindly requested to have their Blocks printed with Mander Brothers' Inks in order to have excellent results.

We further beg to state that we have got special arrangements for printing Tri-Colour Blocks with Mander Brothers' Inks and can guarantee satisfaction.

The Photographic Stores & Agency Co., CALCUTTA.

# SCALE OF BLOCK-MAKING RATES.

The Photographic Stores & Agency Co.,

154, Dhurrumtolla Street, CALCUTTA.

ESTABLISHED-1900.

Tele. Address;

Telephone No. Calcutta 4461.

#### ELECTRO BLOCKS,

	PL.	SQ.	I	d. 1	MINIMU	M.						
From Line or Wood Blocks			2		Rs. A							
" Type Matters				6								
, Halftone (News Screen)						0						
				100								
STEREO BLOCKS.												
		0	2	0	0	8						
	***	0	1	6	0	6						
" Nickel Face		0	3	0	0	12						
WOOD BLO	OCK	S.										
Ordinary		0	6	0	2	8						
Fine	***	0	8	0	3	8						
LINE BLO	CK	s.										
Ordinary Line Works on Zinc		0	4	0	. 2	0						
Fine ,, ,, ,,		0	5	0	2	8						
Colour ,, ,, (for each co	olr.)	0	6	0	3	0						
Reversing Black to white and	vice											
versa on Zinc		0	6	0	3	0						
		0	9	0	4	8						
Colour Line Works on Copper						TERM!						
(per each colour)				0		0						
Tint Laying per tint	•••		1	0	0	. 8						
Reversing Black to White or V												
Versa on Copper	***	0	12	0	6	0						

### HALF-TONE LOCKS.

	PER SQ. Rs. A	INCH. I	TINIMU Rs. A	M.
Squared up on Zinc			3	0
" " Copper	0		4	0
Circles and Oval on Zinc	0	6 0	3	8
" " " Copper			4	8
Vignette or cut out	0	9 0	5	0
TWO COLOU	R BLO	CKS.		
Squared up	I	0 0	9	0
Vignette and cut out	I	4 0	12	0
TRI-COLOUR				
Squared up	2	0 0	18	0
Oval and Circle	2	4 0	20	0
Cut out and Vignette	2	8 0	25	0
Combination Line &	Half-to	ne Bi	ocks	
Combination on Zinc	0	0 0	5	0
" Copper				
Blue Printing on Fern	ro Pruss	iate F	aper	
Ordinary Charge	0 8	3 ор	er Sq.	ft.
Minimum Charge	1 8	3 0 0	nly.	
TERMS:—50 per cent. with delivery of good	ls.			on
Extra charge for urg	gent or sp	ecial w	orks.	

#### OFFICE OF SECRETARY, G. E. L. CHURCH

RANCHI.

No 674/29. F.-42.

Dated Ranchi, the 24th May, 1929.

Subject - Return U/S. 21. I.I.T. Act 1929.

Ref: No 40 dated 9.4.29. and a Reminder. VIII-8.

The undersigned has the honour in reply to state that the information wanted therein has been forwarded on 22.5.29.

Secretary,

G. E. L. Church Council

Ranchi.

ON HIS MAJESTY'S SERVICE

No - 1-3.5.4.	Government of India.
751	DEPARTMENT.
storiect: Relus n	Dated the 23/5/ 1929.

The undersigned is directed to invite attention to the communication noted in the margin and to request the favour of an early reply.

S. 10.

Income Tax Officer

MGJPC-S2-1288 (S.P. Genl.) DCF (G-465)-15-9-28-600,000

On Postal service. To Sender's name and oddress. J. E. L. Thurthe 621 YWN pme-stamp of office of posting.

R & P.-4.

#### Acknowledgment.

(To be returned to office of posting for delivery to senter.)

RECEIVED a registered	* pro	icker.	Charact	Agener
RECEIVED a registered addressed to (name) The	Thorogr	Aumstold	la St. C	alent
† Insured for Rs.	7 41000			
† Weighing (in words)	Whologie	1 C	of signer	rates
Signature of addressee	A A	pipe	<b>*</b> = -	
I are of delivery	2	2/5/29	9 .	

Karim Eux Bres .- Printers -- Cal .- 273 -4-3-25 -19.000 Bks.

<sup>\*</sup> Write here "letter," "post card," "packer," or \*/parcef," as the case may be, preceded by secret "insured" if the article is insured.

† to be filled up only in the case of insured articles, and to be shored out in the other articles.

No: 672/29 F. - 42.

P. Hurad, Esq.
Secretary G.E.L. Church,
Chota Nagpur & Assam,
Ranchi.

The Income Tax Officer, Ranchi Manbhum Sadar, Ranchi.

22nd May, 29.

With reference to your Office No: 40/ VIII - 8 dated the 9th April 1929, I have the honour to return the accompanying form duly filled in.

I am sorry I am not able to let you have the figures of the Rev. A John, P. C. Kinkel, Dist Ranchi. As he draws his salary direct from Berlin the matter may be referred to him direct.

I have the honour , to be,

Sir.

Your most obedient servant,

Secretary.

G. E. L. Church Council.

Ranchi.

20:- 40/VIII-8

INCOME-TAX OFFICE:

To

Dated 9/4/ 1929.
The Tecretary & E. Z. Mission Ranchi

Gentdemen,

SIR,

I have the honour to invite your attention to section 21 of the Indian Income-tax Act, 1922, and to request that you will be so good as to furnish the return of employees in the accompanying form within the period stated therein. Failure to do so will render you liable to a fine extending to Rs. 10 for every day during which the default continues under section 51 (c) of the Act.

- 2. House rent allowances and the value of rent-free quarters of an employee and the cost of board provided by the employer form additions to the remuneration of an employee, even when residence in a particular town or building is necessary for the proper performance of the employee's duties. Such allowances or perquisites cover expenses of a personal character which the employee would otherwise have to incur and are, therefore, taxable and should be specified and included as income in column 6 of the return.
- 3. Salary or any portion thereof paid outside British India for services in British India is liable to income-tax and it should also be shown in the return.
- 4. Information regarding payment of any salary, allowance, benefit or perquisite which is taken as exempt and not included in column 5 or 6 of the return may be given in the remarks column.

I have the honour to be,

Gentlemen, Sir,

Your most obedient Servant,

Income-tax Officer.

Sdf- If. F. Fatnaik.

Return under Section 21 of the Indian Income-tax Act, 1922, to be made within thirty days from the 31st day of March in each year by the prescribed person in the case of every Government office, and the principal officer or the prescribed person in the case of every local authority, company or other public body or association and every private employer.

	The state of the s			Total amount of salary, wages,	and the same of th	Amount of bonus, gratuity, fees, commis- sions, perquisites or		DEDUCTIONS (	ON ACCOUNT OF				Qr.			
Serial No.	Name of person.	Postal address of residence.	Appointment or nature of employment.	annuity or pension paid during the year ending on 31st March 1924.	House allow- ance or value of rent-free quarters.	allowances (other than those shown in column 6), or profits in lieu of or in addition to salary or wages (each to be shown separately).	Total of columns 5, 6 and 6(A).	Provident and other funds— proviso to section 7(1).	Life Insurance Premia (section 15).	Net amount chargeable.	Amount of tax payab	10	Reduction under section 17.	Amount of tax deducted		ВЕМАВКВ.
1	2	3	4	5	6	6(A)	7	8	8(A)	9	10		11	12		13
				Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	a.	Rs. a.	Rs.	a.	
	Rev. A. John	Il. I. Compd	Miss imany in		600/-	int										
1	Rev: M. Prehr	Sticket	Missionary . Treasurer	360r	600/- 480f-	nil	36									
21	Region o Tehilor	Manchi 1	Treasurer 91:00 Silver	435			4200				7					
	B. 11 9:1	,	113 In	435												
	our sit. a senso	G. E. L. Compa	Missionary	, , , , ,		nil.	N. N. L.									
2)	Miss F. Fleintze	. G.C. L. Compre	Miss son ary	1900	600/-	nil	2500					•				
3	Miss F. Feintze Rev. J. Lahra	Gossner High	Principal	3000	600/-	oil	3600				9	-				

F.

2 Miss F. Leintze, G. 3 Rev. J. Lahra Go	Riwkel  Riwkel  Riwkel  Rampa Missionary  Rampa, Girlo School  Septe  Soner High Principal	1900 boo/- 3000 boo/-	mil 2500			
Sa	1001 Samen High School					
				The state of the s		Legal of Golden of
				gRoss - it	B4   B4	140° 8° 128° 1′ 1

Please treat this order as very Urgent and let us have your finished work as soon as possible and oblige.

Yours faithfully,

G.E.L. Church, Ranchi.

No 671/29.

21st. May, 1929.

Messrs. The Photographic Stores books of before a ment in a new order of the

254 Daurrumtolla St. CALCUTTA. Advance acknowled P. . ATTUDIOS

Dear Sire,

We received your Almanac of this year and thank you. We saw also the illustrations blocked therein by you. We wish to give you a trial order and shall be much pleased if you will kindly make some fine blocks for us of the illustrations which appear in the German Report and an English Magazine and some from the photographs which we send. Please quote your terms and let me have your estimate for the same at the earliest date possible. We require these blocks urgently.

#### List of the illustrations of which blocks are required :-

Lili	t of the illustrations of which blocks	are reduit	<u>ou</u> !-			
1.	Rev. H.D. Lakra ( From Young Men of Ind	ia) facing	Page	212	Harked	4.
2.	Group illustration ( Do Do.	)		213	Marked	В.
3.	Johannes Gossner ( From the German Rep	ort) on	Page	5.	**	0.
4	Prof. Plath. ( Do Do.	)		19	* *	S.
5.	Dr. A. Nottrott. ( Do Do.	)	**	43		E.
6.	Gropu of Missionaries ( In loose paper	)				P.
7.	Rev. F. Hahn. Photograph		*			G.
8.	Group of 3. Do.			. *		н.
9.	Interior of Ranchi Church. Loose paper.		*			I.
10.	Group of Missionaries. Photograph.			۵		J.
11.	Portrait of Mr. Hurad. Photograph			. ,	* *	к.

P.S.-Please return the books and the photographs etc uninjured. More photos will follow soon.

Please treat this order as very Urgent and let us have your finished work as soon as possible and oblige.

Yours faithfully,

G.E.L. Church, Ranchi.

21st. May, 1929.

No 671/29.

Books & photographs sent in a registroses &cover separately which place acknowledge. ATTUDIAD

Dear Sire,

We received your Almanac of this year and thank you. We saw also the illustrations blooked therein by you. We wish to give you a trial order and shall be much pieses if you will kindly make some fine blocks for us of the will kindly make some fine blocks for which appear in the German Report and an English Magazine and some from the photographs which we send. Please quote your terms and let me have your estimate for the same at the earliest date possible. We require these blocks urgently.

#### -: beriuper era expected doing to encitarteuili ent to teld :-

7.7	.0	Marked	SfS og	acing Pa	ion of India) f	ra ( From Young 1	Rev. H.D. Lak:	.1
	В.	Marked	213		Do. )	ci ) noit	Group illustra	.9
	.0		.e 5.	on Pag	(JrogeR Report)	er ( From the	Johannes Gosar	٠ξ
	35.		Q†		Do. )	( Do	Prof. Plath.	Ą
	E.	4.4	43	11 11	Do. )	tt. ( Do	Dr. A. Nottrof	$\star \zeta$
	· F	1.6			se paper ) .	ionaries ( In loc	Gropu of Miss	6.
	. Đ	44			. dqs:	Photogr	Rev. F. Hahn.	.5
	.Н	4.4	* . *			Do .	Group of 3.	.8
	Į,	4.4			se paper	anchi Church, Loc	Interlor of R	, Q
	· T.	4.4			otograph.	stonaries. Pi	Group of Miss	.01
	.H	4.4			otograph.	ir. Hurad. Pi	Portrait of	. 9 9

P.S .- Please return the books and the photographs etc uninjured. More photos will follow soon.

Nº 661/29

16th. May 1929.

To,

The Superintendent.

Tea Dist. L. S. Association.

R a n e h i.

Dear Sir,

About a forthight ago, one Mashi Sardar of your Association belonging to village Kahupani, P.S. Thethaitangar, Sub-Division Sindega has recruited
Mussamet Phulmani Lugum wife of Joseph Lugum of Kullasulung, P.S. Thethaitangar.
The woman has with her a son aged about one and a helf years and by name Markas
She left her nome without giving any intimation either to her husband or to her
parents who live in Gutbahar.

The husband being very ill the father of Phulmani has come to take her back. I think they must have left for the garden by now. I should be grateful if you will kindly arrange for her return and name her ever to her nusband or to her father as the case may be.

Thanking you in advance,

I remain, Dear Sir,

Yours gaithfully,

STARTON ARV.

### POST



#### CARD



ADDRESS ONLY

P. Hurad , Esq. ,

Lutheran Church Council.

PANCHI.

B. N. RY.

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER. The Scretary, Church Council. Panchi.

gerampore Co? Bengal. 1st. Feb. '29.

Dear Sir.

I shall be much thankful if you kindly emlist my name in the mail list of your readers for the minutes of your meetings and oblige.

Yours faithfully,

The dulbran Church Council, Ranchi.

11312121

असि रसा है। on हम Gout molestried. स्क्लं के लुचेरन जिंदर लड़कां आप लोगी ही ही निता पूजा बिटायन स्मारते हैं जिल क्यांकार के जीचे लिखी हुई जाते पर विचार जिया जायां। १ विष इस लोग व्यारश्वानी से वार पांच वर्ष से लाम सिक्वते हैं और जब जिल्पल गति है तल इम लोगों को मोटीर License के वास्त पड़त Lieenee : यहकार होता है ता कामानी को धड़त असेपा येगा पड़ गाई जिसला लिस हम गरी व काइला गेग जरूरी देशवात है इस लिये हमकारातिक यह वजी है विष्या enter for total inteligence . जिलां ने में शह पता लारेंगे सा का काई हिस का उपायकारों. जा दुण्डूट कांबी का गमा म्ब की नगेगा इसकांग उसकारेंगे और यि गड़ी विगड़ जाय तो डावाने के लिय लेपा है इसका लिए हमलांग स्मापः कोगां का सन्यावासी रहेंगी लं आप के हिर्त का ना ना ना का का का का का का Industried & chool of son

#### Fifth Quadrennial Conference of the S.C.A.—December 24-31, 1928.

#### STUDENT CHRISTIAN ASSOCIATION OF INDIA, BURMA & CEYLON

AFFILIATED TO THE WORLD'S STUDENT CHRISTIAN FEDERATION,

EXECUTIVE COMMITTEE:	
Mr. B. L. Rallia Ram, Church Council Y. M. C. A., Lahore.	Bankers:
MR. S. C. DE, Received 12.1.20	THE C. C. C. BANK, LTD.,
Serampore College, Serampore.	Post Box: 127, Madras.
REV. E. C. DEWICK, Register No. 456  5, Russell Street, Calcutta	
REV. CANON A W. DAVIES, St. John's College, Agra-ile	Official Organ: HE STUDENT MOVEMENT REVIEW.
MR. A. A. PAUL, Kilpauk, Madras. Reply No.	HE STUDENT MOVEMENT REVIEW.
Mr. D. F. McClelland, Y. M. C. A., Madras, Date	Cables and Telegrams:
Mr. Isaac David, Medical College, Madras.	"SCAIBAC," MADRAS.

OFFICERS:

Chairman.

Mr. A. M. K. CUMARASWAMY,

Diocesan Office, Colombo.

Treasurer.

REV. ALEX. J. BOYD,
Christian College, Madras.

General Secretary.
REV. A. RALLA RAM,
Vepery, Madras.

Travelling Secretaries.
MR. R. F. MACCUNE.
MR. J. P. COTELINGAM.

Office: "Scarbac", 56, Pursewalkum High Road, Vepery, Madras.

Ref: No.

9th. January, 1929.

Dear Mr. Hurad,

going over the books I have found that you have very kindly contributed to the funds of the Student Christian Movement in the month of January in previous years. I am taking the liberty of approaching you again to be good enough to kindly repeat your contribution.

we have just finished the rifth \*uadrennial conference of students and the results have been most encouraging and inspiring. The next number of STUDENT OUTLOOK is being prepared with a view of sharing with our friends the blessings that we have enjoyed during these past xx days.

Thanking you in anticipation,

I am,

Yours Sincerely,

ARalla Ram.

591/29 F.- 42

20 March 1929.

To The Secretary,
The Central C.C.C. Bank Ltd.
Lutheran Compound,
Ranchi.

Dear Sir.

While constructing the Bank building last year the hedgings and fencings on the south on the road-side had to be taken off to let the carts ply for bringing in the materials etc.on to the site of the building. But I am sorry to find that both Inside of the building as well as the surrounding places are full of filth and human excretions. Besides this, the portion of land south of the building is frequented by undesirable persons unrestrained. In the evening time and also during the night the people use this portion as a latrine. These tresspassers get into the compound very freely through the opening on the road side. I do not know exactly how this large slice of land is to be utilised as the Bank building has occupied a middle site. But in any case, it would be desirable to have a gate put up for an entrance for the public having business with the Bank and that it should be the bussiness of the Bank kink to see that the surroundings are well and nicely kept. would request that you will please make such arrengement whereby that part of the compound be kept neat and pleasant. At present it appears that the property and the place is being neglected and treated as no man's land. It is a pity that no one takes care of these. I very much wish that something to keep the place neat and clean is done now and not when the building is ready and occupied. If the Bank is not in a position in the near future to complete the building it would be well to enclose the opening to keep off the intruders. It would be a very nice thing if every one of us in responsible positions should think of taking care of the property entrusted to our respective care.

I hope you will not mind this but co-operate with my intention to keep and maintain our beautiful compound as a place worthy of our tradition.

Yours sincerely

\$ of min

lecrefary F. L. Chulch Council



# The Chotanagpur Central Christian Co-op. Bank, Ltd., Ranchi.

(Established March 1921.)

No. 100.

Dated Ranchi, the 26 Ggen 1925.

From,

The Chairman, Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank, Ltd; Ranchi.

To,

The Secretary, G.E.L. Church Council, Ranchi.

Dated Ranchi, The 26th January, 1929.

Sir,

I respectfully beg to lay the following for the kind consideration of G.E.L.Church Council:

The Chotanagpur Central Christian Co.operative
Bank (Ranchi) was established in March 1921, and is still
carrying on work chiefly among the Lutherans of the Ranchi
district. On the generous lease of a plot of land by the
Mission Trust of Northern India, and the kind approval of
the Advisory Board and Church Council of the G.E.L.Church,
the Bank is erecting a Building in the G.E.L. Mission
Compound, Ranchi, to the West of the Bethesda Tank.

The Mission Trust being a temporary body, it was not in a position to give any undertaking for taking over the Building in case the Bank happens to go into liquidation at any time in future. The Co-operative Department is insisting on making some provision for the disposal of the Building it was the Bank cease to function. The Council is the only body which can

which can give such an undertaking I, on behalf of the Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank, request the Church Council to be pleased to agree to take over the Building if the Bank be in the danger of dissolution, on the most favourable terms that the Bank can offer.

Secondly, I have the honour to put it before the Church Council that if it thinks desirable, the Council may erect a second storey for its **qw**n use over the Bank Building. The Foundation and walls are so laid and built that a second storey may be raised. The Bank will most gladly agree to the erection of a second storey by the Church Council for its use.

I request that the Council will kindly consider the matter and make a decision which will be favourable both to the Bank and Church Council, for which I and the Bank will ever remain thankful.

I have the honour to be,

Sir,

Your most obedient servant,

Chairman.

Chotanagpar Central Christian Co-op.

Bank Ltd; Ranchi.

P/B. 26.1.29.

## The Cossner Lunngelical Butheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad, Ranchi (Behar) ]

No.54

From,

P. Hurad, Esquire.

Secretary, G.E.L. Church in Chota Nagpur & Assam.
Ranchi.

To,

The Rev. J. Lakra.

Chairman, The Chota Nagpur C.C. Co-operative Bank Ltd.

Ranchi.

Dated Ranchi, the. 6th. March .. 1929.19

Sir,

Adverting to your Office letter No. 100 dated Ranchi, the 26th.

January, 1929, on the subject of the disposal of the Bank building in Ranchi

G.E.L. Compound, in case the Bank goes into liquidation at any time in future,

I have the honor to state, that the Council of the G.E.L. Church in Chota
Nagpur & Assem will be prepared to take over the said Bank building " on

most favourable terms" to be offerred by the Bank or on such fair terms as

will be determined by a competent body by arbitration.

2. The idea of erecting a second storey on the present building by the Church Council does not appeal to the Council and therefore seems inconceivable. I would therefore request that the suggestion may now be - dropped.

I have the honor to be,

Sir,

Your most obedient servant,

SECRETARY.

## The Cossner Luangelical Butheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad, Ranchi (Behar) ]

No. 540 /29.

From,

P. Hurad, Esq.

Secretary, G.E.L. Church, Chota Nahpur & Assam.

Ranchi.

To,

The Judicial Commissioner

Chota Napur,

Ranchi.

Dated Ranchi, the .. 26 . F.ebruary ...... 1929 .

Sir,

Adverting to the Summons issued against Babu Immanuel Lakra, a clerk in this Church Office, to appear to-day as a witness on behalf of the Rev. A. C. Chatterji of the Church Road, Ranchi, I have the honor to state that the said Immanuel Lakra has been very ill since the beginning of this year and has not been able to join his duties yet. Besides, it is understood that his health would not permit him to go out in the public for a month or so.

I would therefore request that you will be pleased to excuse his attendance in Court till he is completely restored to health.

The amount of Re 1/- sent with the Summons as Khoraki is also returned.

I have the honor to be,

Sir,

Your most obedient servant,

SECRETARY.

G. E.L. Church , Ranchi.

# The Council of the Cossner Eu. Dutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. ]

#### OFFICERS & MEMBERS OF THE COUNCIL.

- 1. \* President- Rev. J. Topono, Ranchi.
- 2. \* Secretary- P. Hurad, Ranchi.
- 3. \* Finl. Secy & Treasr- Rev. M. Prehn, Ranchi. 8. Obed Minz, B. A.
- \* Rev. J. Lakra, M. A., B. D., S. T. M. Principal, High School, Ranchi.
- 5. \* Rev. B. Minz, L. Th., High School, Ranchi.

Those marked \* constitute the Executive.

- 6. Miss F. Heintze, Ranchi.
- 7. A. L. Tirkey, High School, Ranchi,
- 9. H. D. Horo, Sulangi, P. O. Karra, Ranchi.

No. 57/ 182 F F

- 10. D. M. Panna, Dy. Magte: Hazaribagh.
- 11. Rev. Isaac Ecka.
- 12. Rev. A. John, P. O. Kinkel, Ranchi.
- 13. Rev. Marcus Topono, Jarakudar, Panposh,

LUTHERAN COMPOUND. RANCHI, (Behar.)

Dated the ... 4th: February 1929: 19 .....

To,

The American Express Company, Inc. 240, Hornby Road, P.O. Box 507. Bombay.

Dear Sir,

Your letter of January 17th. duly to hand. In reply that we have no missionary in our staff of the name of Rev. Selendra, nor has any one come to our mission field recently via Bombay about the date 7th. November, 1928. I believe the Rev. Selendra belongs to some other missionary society.

Sorry for not being able to help you.

Yours sincerely,

SECRETARY.

G.E.L. Church, Chota Nagpur &

Assam.



Church Council
Received 2 1: 29
Register No. 4.3.5
Date 29: 12 - 28.
File 42 ...
Reply No. ...
Date

50

The Secretary Chuch Council, Lutheran hission, Ranchi.

Sir

Most humbly and respectfully, I beg to lay the following for your kind consideration and favourable order.

That according to your Post Card memo no. 396/28, dated 20th Nov. 1928 I am waiting for your final reply. That I failed five times in the final examination of the Medical examination Board.

That I completed the course of the school, and have agreat desire to utilise my knowlede which I have acquired during my long seven and half years' stay in the rehool.

Therefore, would you be so good as to let me know the final reply, for which act of kindness 3 shall ever remain thankful to you.

Torpa.

29. XII . 1928. Your most obedient servant,

Grathunand Charan
Topno.

Church Council Received 5-12:28 Register No.399. Date . 3:12: 28 File.....42 .....: Reply No.....

The Secretary Church Council Latheran Church Chota Naghur and Assam

Dear Fir, with reference to my application, duly, Submitted to your Office in the month of September, 1928. for the post of a Compounder in the dutheran Hospital, I beg most humbly to state that,

great and strong desire to work in our datheran Hospilal. as. I did not get any reply to my afflication of the September. I have been compelled to renewich.

I am not searching foot anywhere else, as I strongly desire to serve in our church and in reference to it I earnestly require your kind and favourable Consideration, and for which act of Kindness. I shall remain ever thankful logon.

Ranch. 7 3.12.28

I have the honour to he, s your most obedient Servant, Frabhu Sahay Sopono. V. Kot-bo P.O. Kamdara Ranchi

The favour of an early reply solicited.

Church Council Received ... 2/1-29 Register No. 486. Reply No.....

### AMERICAN EXPRESS COMPANY, INC.

( Incorporated in U. S. A. )

TRAVEL DEPARTMENT.

OFFICES THROUGHOUT THE WORLD

D'TELEGRAMS: AMEXCO. TELEPHONE: 20923. 21927.



240, HORNBY ROAD, BOMBAY. P. O. Box 507.

GENERAL AGENTS FOR THE NEW YORK CENTRAL LINES.

January 17th. 1929.

Rev Selenira G.E.L. Murch, Tingeria, Newgong District,

I don't think any me or uncerned as referred to here Dotties & beller i

This leving so, I wish tutter reply that this In last Nevember we issued you rail transdoes not relate portation for yourself and family from Bombay to Saikoha does not relate that and the rail coupons were issued by us, this was in 6 mu minion connection with your arrival in Bombay by the Mail boat.

Jud 20! We have now received advice from the natiway Authorities that the amount collected from you is Rs 12/14/3 short. You will recall at that time we had not the specified M. C. 21/1/26 taken by us which now happens to be incorrect.

We shall thank you very much if you see your way in sending us a remittance of the above amount in order this settlement be made clear with the Railway Authorities.

We await your reply with interest.

Years truly.

2. Tacage

A.T. Passenger. Travel Representative.

Rev Benjamin Minz or The Secretary and Treasurer, Gossner Evangelical Lutheran Church, Ranchi, Behar.

It will appreciate us very much if you will kindly pass this letter on to Rev Selendra who arrived in Bombay on or about the 7th November 1928 and proceeded to Saikhoa Ghat with his family. Thanking you.

# The Council of the Cossner Lu. Dutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. ]

#### OFFICERS & MEMBERS OF THE COUNCIL.

- 1. \* President- Rev. J. Topono, Ranchi.
- 2. \* Secretary- P. Hurad, Ranchi.
- 3. \* Finl. Secy & Treasr- Rev. M. Prehn, Ranchi. 8. Obed Minz, B. A.
- 4. \* Rev. J. Lakra, M. A., B. D., S. T. M. Principal, High School, Ranchi.
- 5. \* Rev. B. Minz, L. Th., High School, Ranchi.

Those marked \* constitute the Executive.

- 6. Miss F. Heintze, Ranchi.
- 7. A. L. Tirkey, High School, Ranchi,
- 9. H. D. Horo, Sulungi, P. O. Karra, Ranchi.
- 10. D. M. Panna, Dy. Magte: Hazaribagh.
- 11. Rev. Isaac Ecka,
- 12. Rev. A. John, P. O. Kinkel, Ranchi.
- 13. Rev. Marcus Topono, Jarakudar, Panposh,

LUTHERAN COMPOUND. RANCHI, (Behar.)

Dated the 1st. February 1929.19.....

Dear Mr. Gausdal,

Thank you very much for your bright " PERA HOR ". Yes I can read and can understand some of your contents as it is skin to my mother tongue Mundari. I appreciate the way you have been editing it. I hope it will be a great success in your hands now.

I have put down your PERA HOR in my exchange list and our GHAR BANDHU will reach you regualrly in future. I also get Mr. Kampp's BANGA-BANDHU. Do you get any other paper in exchange ?

I learn that just now you are having your Annual Conference. I hope you will have very good time and deliberate on such vital matters which affect the Indian Church at this stage. Are you sending any one to the -World Lutheran Conference at Copenhagen ? We have received a separate invitation . Sorry cant afford to send one, unless special grants are made by the Church. We are considering this question.

Will you very kindly remind Mr. Rosenlund to return me the Mundari Grammars which I lent him while at Ranchi in 1924. I need those books just now as I wish to revise Dr. Nottrott's. Give him, please, my best and kindest regards.

> With hearty Greetings, I remain,

Afrind

# POST.



Cahut achi hoti A6 main etnahi likhla hun Bhul Chuk maph Karing Regester No. 310 ine ... 42

E ANNEXED GARD IS INTENDED

FOR THE ANSWERS

BOTH

28-9-28 Dear Ser, Ka bahut ze rjousahay howe, Thain ache hun of ka bhi pita ki or se kushal hi Chahla hun, Age bises but to yahi hai, Ki. main, Dar \_ Khast diga the Ki main, Agar bane to Luthern Mission Hospital Men Kam Karunga, Souska Kuch Jabale nahin miller hai, mais to aj Kal ghar hi men hun, loghet muskil lagla hai, so Jadi ap log mehirwani Karke koi ular deletto,

al: 8-88-25 3.

	Council
Received	5-11-28
Register	No.353
Date U	. 11.28
/ ile	42
Reply No	9
Date	

माप तो गों के माद्रााधान ने के बड़ा का प्रचान बानावास नातिका वा नो के बड़ा का मनन्द्र मसाह पुन्डा को वि तो के बड़ा का मनन्द्र मसाह पुन्डा को वि ति ति बड़ा का ममा (का मुल्म मान पुता वे। सिन्द्रा दुड़ांग का ममा दान । हाड़े वुड़ांश की चा का मंगल दान । हाड़े La Boran mission Compound Lanchi.

P.G. Jorpa Ranchi 17.11.28.

Sear Sir, I write to you to seek ye r kind advice, and please reply me at your earliest convenience.

This is the 5th time I am appearing in the medical Exami nation Board for deploma from the Grissa hedical school Gultack. due to my misfortune I failed all the times, and for this time too, I cannot assure you that I shall

But by my brothers and father, it is already settled, that The time if I shall pass, so much The better and if not I shall It by Hometpathy medicines.

Now the sudden death of Dr. John braws my attention to wards The mussion hospital, if mission will allow me, I shall offer myself to manage The hospital.

## AMERICAN MADURA MISSION

(AMERICAN BOARD OF COMMISSIONERS FOR FOREIGN MISSIONS)

(BOSTON, MASS., U.S.A.)

JOHN J. BANNINGA, D.D. SECRETARY,

PASUMALAI, S. INDIA.

October 18, 1928.

#### The Secretaries of Missions in India.

Dear Friends,

The American Madura Mission is in correspondence with a firm of Cinematograph Photographers in London who are contemplating coming to India during the latter part of 1929. We are planning to have a film made of our Mission work for exhibition in America. The estimated expense for all the work connected with a film of 6000 ft. in length which will give approximately a two hour entertainment will be about Six Hundred Pounds. If, however, several Missions can unite in giving work to this particular firm this expense may be considerably reduced as the manager of the firm is deeply interested in Missions and would give a reduction for increased work inasmuch as his expenses would be proportionately much smaller.

A few years ago a film was taken in India for five-British Missionary Societies and that film has been exhibited in Great Britain with great success. I am told that the producers of the film have cleared One Thousand Pounds above all expenses in connection with their film. The American Board of Boston, U.S.A., also had a film made of their work in South Africa and that film was received with enthusiasm in the Churches in America. Though at first sight Six Hundred Pounds seems a large sum of money I think we can easily see how that money can be recovered by the exhibition of the film among our constituencies at home. The Basel Missionary Society has recently had a film taken of its work in the East Indies and in India and they too report great enthusiasm over the exhibition of those films in Germany.

I shall be glad to give further details to any who are interested in the matter and I am sure that if we could get a half dozen Missions to enter into contracts with this firm we could materially reduce the cost of the films and thus mutually profit by this participation in a common enterprise. I shall be glad to hear from any that are interested in the matter.

Sincerely yours,

Johnson

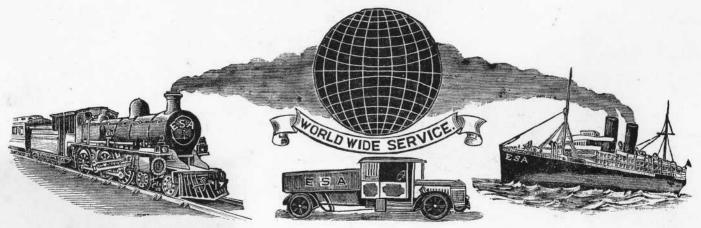
Phone No. 2724 Calcutta.

Telegraphic Address: "EASTSHIP," Calcutta.

# EASTERN SHIPPING AGENCY

CLEARING, FORWARDING AND SHIPPING CUSTOMS, WAREHOUSEMEN & TRANSPORTS, PASSENGER & BAGGAGE AGENTS.

GOVERNMENT CONTRACTORS.



8, DALHOUSIE SQUARE (EAST)

Calcutta 9th Novr. 192

IN REPLY PLEASE QUOTE

S.V.C.

The Secretary, Gossner Ivangelical Lutheran Church, Ranchi, Bihar. The Secretary, Gossner Evangelical Lutheran Church, Ranchi, Bihar.

Dear Sir,

We take the liberty of addressing you regarding passages for the members of your establishment to London.

We can offer gheap third class passages by the Anchor Line steamers from Bombay to Liverpool, and the passage fare is Rs.400/- direct to Liverpool and Rs.375/- to Marseilles, the s.s. "TUSCANIA" sailing on the 14th March 1929 has undergone several alterations to provide for 4-berth rooms for family parties.

If you are desirous of securing any accommodation during next year, we shall be pleased to place our services before you.

Church Council
Received 12.11.28
Register No.3.64
Date. 9:11:28
lile. 42
Reply No.
Date.

Yours faithfully, EASTERN SHIPPING AGENCY,

Manager.

SVC/LG.

\$ 1/7/28.

Office of the Deputy Commissioner,

Do No 1650-86R

Ranchi.

The 26th July, 1928.

Dear Sir,

I am writing to thank you for the assistance which you gave in the decoration of the route for the visit of His Excellency the Viceroy. Everything - passed off most successfully and I believe that His - Excellency was greatly pleased at the loyal welcome which he received from the town and district of Ranchi.

01	urc	h O	ounci	1
R	eceive	d.3/-	7.28	1
R	egiste	er No	1.66:	
D	ate.	46:.7	28	
B	eply	No		
1	ate.			45

Yours siscerely,

W. Or Brown

T.0

The Secretary, & the G.E.R. Church, Ranch.

Church Council Engrinis & he made for Rev. I. Ecka. Received . 6.28 Register No. 9.6 ... Date ... 1.2: 6:28 File....: Reply No..... To The Members of the Church Council of Chota Magpur & assam. From Mr Augustus Lakra 13-6-1928. I The Undersigned Augustus Lakra being Chased out from the R.C. Community and reduced to the state of beggary do humbly approach your Reverences and earnestly gray & request to Kindly deign to accept my request and receive me in your lan Communits.

Reverences and earnestly gray & request to Kindly deign to accept my request and receive me in your lay Community if your Reverences deem me fit. At the Same time Lalso pray your Keverence to lend me a helping hund in the Shape of an employment, forchance no other means to sustain my livelyhood and am in the state of starvation. Hoping and thanking that Your Reverences will pay a due attention to my humble request d'ocemain yours most Sincerely Conquistus Lakkra

4/7/28 S. P. G. Mission Ranchi, B. N. R. Dear Mrs. Peter Hurad I have just forwarded a letter addressed to the Church bouncil, Ranchi, as I believe it is intended for a good many such letters come to me and sometimes got opened. It would save you delay and us the houble of forwarding if you could get your correspondents to put the name of your mission on then envelopes yours sincerely Robert Bousher

न्या पार्व मपास्ते मान्ये ह्या है आ हाम मा ते हे नहीं ममान गा ती भें हर्यों में आरक्षे on la g ym का करी दा गिरा में जीसा चादुं तेसा काट्यूंगा काः निष्ता-गुडिया-मेरिक्या

ui: क्यों : त्व माड़ा गाड़ पाला वानी



Council Hanchi

Hais Ecrey मास मन्यवाट यम् को सित्र गा। आत तमां का मम निल्ला महिना अवता र भीशमहाम । जिल्ली विकास कार म्लाल्य यह है कि रहलारे र रिका में मतासड़ वाद हमरोम के विकार जात त्रामी क्यो दियाचा भा उसका पाजाव हम्यो Dun Mul on brown ym mage उस अवाव से में हारी, म, वहेल असी लात रिका मामास कार्य त्या हरकर है: भू वित्री तका सी पन्द्र महमा निमा है उसकी विस्म ममलावेडी यह मेर प्रामास्य या अन्य स्थित, तम कामित दुखित इ मार्च अप गामा का मुक्त महारे को को दे थां की कार असम केंडे पर मले मिल्स तीका में हजारे में कार ते का मासर मासर है। है। के ान अगार का खिला मतासंद वायु कार समामा वेश नार प्रयोग योगा देशे पह स्कृति से HAI HE MIKE E HE ONLY offer मुक्त बेचार का जिल्ला को मुनलोशिय

The Charbar The unless Revol Frehm In respect Inal / of the Ghabandhu ! an being much houbled from the January last. I thenk there must be Mr. P. Hurad 5 mobody in the press who might be playing trickes, at the line of despatching or postinget E. L. Mission for some reasons or other. Will you please to smething for me in this maker so Ranchi that without service X

From such with my Quarte no. 14 from Road no. 2.1 sumper Grandse Gordandergh, sumper Grandse hours it h. 7. 928 Dearthr. Hours Our yeshusahang to you all. Two of my children were suffer from few last month and now it has left. All The family members are well by the inerry of god and we hope you all to be the same. deest week it was very hat here and for some days wire was no rain None it is sainly but it is Hill hot, we thrad, I came writing this letter to you as a proceed of not lact at we same time requesting you America to see this matter is my favor. I donat know whether the ghosbandlus for Junit has been and net yet received it. In the month toyen. We are all in good Condition 03.00. Ky THE ANNEXED DARO IS INTENDED FOR THE ANSWER.

To the Secretary to the Lutteran Cohneil Ranchi. I have the honour to inform you that A. M. Toppo of transet, intends to buy a piece of land for the delleran Church. And I have deposited as 2007 - in the central back on The money requests from making & corry on the previous proposal So over to her for this purpose. C: Cf Tikyin

# Resolution of the Church Council. Ranali

असमित का हिर्मा नि: में मिलिय कु मह गार्ड में दिव में मा कि अमा की बदली यूमी ही है में हुई है इसालिय ग्रांस मिल में मिला खरी देने के लिये 200) मी उसे दिया गाम या उस की उसमें मिल आनराममां हो था गार्ड के हाय में मिला है रखा है। संकाल्मा: कि 200) भी गार्ड में श्री की मिला है रखा है। ग्रांन हा मिला है श्री की की मिला दिया है इस अवन्य की की सिला में मूर्य कार्सी है श्री यह सुयाना ग्रांस में साल के माई यों की की मिरा के बी वा चारा ग्रांस में ग्री असके लिये याद ग्रांस की से की मिरा के बी वा चारा ग्रांस में असके लिये ग्रांस ग्रांस की

Memo No. 126/28.

Gamed for information and necessary action.

Randi The 22 nd June 1928

Sceretary to the Church



mise: File

99/28.

9th. June 1928

To,

The Manager, Process Deptt.

Statesman Office.

6. Ghowringhee.

Calcutta.

Dear Sir,

In to-days issue of your paper there appeared a snapshot of Raja Deo Saran Singh Deo of Jashpur with Mrs. Drake and Mr. Drake who invested him with the powers of Ruling Chief.

As we have our Church work also in that State, I would consider it a great kindness on your part if you can let us have the block on our paying for it - a reasonable price of course. If you can not sell it to us, we should greatly appreciate your lending us the same for a week or so. We wish to insert it in our Vernacular Church Magazine and hope the readers will be very much interested in it.

Please therefore either send it to me by V.P.P. or by RookseRoak registered parcel packet, in which case it will be returned to you uninjured when some with.

Thanking you in advance,

I remain,

Yours faithfully,

SECRETARY.

2

## Foreign Missions Committee of Churches of Christ in Gt. Britain & Ireland.

General Secretary,
W. CROCKATT
179 Nithsdale Road
Pollokshields
Glasgow.

CHRISTIAN MISSION, LATEHAR, Palamau Dist., Bihar.

January 31st. 1928.

Dear Mr. Joel Lakra,

As a result of our conversation the other evening a situation has arisen which is from our point of view most unsatis-

factory, and a speedy agreement is needed .

Before I refer the matter home for the decision of the English Mission Board I would like to be satisfied on two points. First, I trust that your Council will not take steps to locate preachers at Chandwa, as you have already passed, until the matter of our respective boundaries is reached. I ask this because it will only complicate a situation which as matters stands is practically satisfied factory. I shall be glad of an assurance to this effect which I may communicate to my English Board.

The second point is for our information and to help us to understand the situation. When you knew that we as a Mission were working in the Tori pargana, did you make any representation to the missionary.

The second point is for our information and to help us to understand the situation. When you knew that we as a Mission were working in the Tori pargana, did you make any representation to the missionary in charge at Latehar objecting to this or pointing out that you considered that as your area.? If you did not do so, for what reasons did you prefer to allow us as a Mission to poach upon your preserve? If you did do so, I shall be glad if you will inform me as to the nature of the reply you received and the kind of agreement that you reached. Then, apart from the little work you have at Manatu in the Palamau district, what is the last year any worker of yours was placed in any other place in P±alamau? My preachers cannot tell me this, and though not a vital question will help me to understand the strength of your claim to Tori. Another question which I think requires an answer is this; - How many converts have you actually made in Tori itself? The Christians you have now so far as I know are immigrants from Ranchi, and this fact cannot help to substantiate you%claim to Tori.

I was amazaed that you seemed to be quite willing, in fact almost eager, for both churches to work alongside in Tori. Do you really regard this as a feasible solution?

I hope that you will let me have an early reply. I want Mr. Hurod's information also before I shall be able to send a memorandum to our Board on the subject.

with all good wishes,

Yours sincerely,

ed, 94

To, Ren. R. P. Pryce, Latelar Ranchi 28.2.28 Dear Mr. Pryce. This is just to let you know that official retion on your letter of Jan. 31, 1928 has know when the Council of the Church takes any action 5d. Joel Lakera

11: 46/28

Luther Compel Randu: The 16th. May 1928.

To,

The Deputy Commissioner,

Ranchi.

SUBJECT: Proposals on Grant for petty local works of Improvement for the year 1928-29.

Sir,

Adverting to your Memo No. 1525 - 35/J dated Netarhat the 18th.

April, 1928, and a subsequent Reminder, on the subject noted above, I have the honor to state: That our Church has since 1924 been considering the problem of housing incurables whose claims on philanthropic institutions have ever been in the increase. There are peoples who are, while not strictly speaking classed as lunatics, found to be incurables owing to different circumstances and bodily deformities.

We maintained a Leper Asylum for many years at our Lohardugga station, but the inmates were finally transferred to Purulia which has now become the Central Asylum for lepers supported by the Leper Mission.

Since the abolition of the Asylum, the residential quarters for the lepers had all to be demolished and levelled to the ground to make the place free from infection and more sanitary and habitable.

We have, however, though in a very small scale, been maintaining a Home for incurables. The present number of patients taken care of is only 5. We have been thinking of admitting more patients in the Home if we could be helped financially in erecting sanitary residences at Lohardugga.

We should be extremely glad and thankful if the Government would be so kind as to give us Rs 1000 towards the erection of suitable accommodation in the Home for such patients, who have been approaching us from time to time and whose applications we have been compelled to refuse so long.

I have the honor to be,

Sir,

Your most obedient servant,

SECRETARY,

G.E.L. Church, Chota Nagpur &

Assam.

ule LIII-Form No. 131. O H. M. S. To THE Head of C. E. L. Mission Rauchs G P (FOF) P. O. No. 47-111,000-19 2-27.

1st

No.

Dated Rauch, 1015 1928

Subject - Proposals on Granto for petty local works of improvement for the year 1928-29

The undersigned has the honour to draw the attention of Head of the 1525-35/3 20.4.28.

on the subject noted above and to request an early reply thereto.

By . Magistrate in Change

Lo In Commission of the Chila hagfur Drisin Memo. No. 1190 J Dated Ranchi, the 11th April 1928

Copy forwarded to the Deputy Commissioner of
Ranchi with the request that he will be so good as to send
any proposals he may have to make for expenditure of a
portion of the grant in his district. The works for which
allotments are asked for, should be arranged in order of
urgency. The projects for which allotment was asked for last
year but no allotment was given should also be included in
the list, if thought necessary:

Sd. N. N. Butta For Commissioner.

Memo. No. 1525-35 J

Dated Camp Neterhat the 18th April 1928

copy forwarded to the Head of the Cr. E. L. Mining Ranchi for favore of submitting his list of forfeets in order of ingener.

Deputy Commissioner, Ranchi.

Memo no. 22. 200

Torwarded, to the Financial Secretary for favor of bringing forward any project of an urgent nature that could be submitted to the Dol Commissioner

Council His 24th april 1928

Flower Jecy Ce.

Reed from President
23/4/28.

No.5407 F Government of Bihar and Orissa Finance Department Patna the 2nd April 1928.

Resolution

Subject - Grant for petty local works of improvement for the year 1928-29.

The Governor in Council has decided that the allotments to be placed at the disposal of the Commissioners of Divisions during the year 1928-29 for petty local works of improvement shall be fixed at Rs.15.000/- for each division.

- 2. A report should be submitted to Government in the ...
  Finance Department on the 15th December and again on the 15th
  February, showing what savings are anticipated in each -Commissioner's allotment.
- 3. If any additional grant is required, the Commissioner should furnish details of his expenditure from the initial allotment.
- 4. A quarterly return of grants made by the Commissioners out of the allotments placed at their disposal -- should be submitted to Government in the Finance Department in accordance with paragraph 5 of the rules circulated with the Resolution No. 2067 F.R. recorded by the Government of B & O in the Finance Department on the 7th September 1922.

Order - Ordered that a copy of the resolution be forwarded to all Commissioners of Divisions, to the Account ant General, B & O., and to all Departments of Government for information.

Sd. P. C. Tallents Secretary to Government

Memo. No.5408-22 F

Patna the 2nd April 1928.

Copy forwarded to all Commissioners of Divisions, to the Accountant General, Bihar and Orissa, and to all Depart ments of Government, for information.

2. The charge of Rs.75,000/- will be met from the provision under the head '22-General Administrat on - Miscellaneous - grants at the disposal of the Commi sioners in law Courant year's brugh bright by which for the form of the Commissioners of the Commissioners of the Courant year's bright bright by the form of the commissioners of the Courant year's bright bright be a first than the commissioners of the Courant year's bright bright be a first than the courant year's bright bright bright bright be a first than the courant year's bright brigh

#### TRUE COPY.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

 $\frac{N0.1108/29}{F. - 42.}$ 

From

Secretary, G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam, Ranchi.

To

The Honorary Secretary, Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank Ltd., Ranchi.

Dated Ranchi, the 29th November, 1929.

Dear Sir,

In continuation of this office letter No.870/29/F-42, dated the 28th August, 1929, I have the honour to forward for your information and guidance the Resolution of the Unarch Council on the Manue subject of giving a registered agreement of the site given to your Bank.

Please acknowledge receipt.

I have the honour to be,
Sir,
Your most obedient servant,
sd/- P.Hurad,
SECRETARY
G.E.L.Church in Chotanagpur and
Assam.

OFFICE OF THE SECRETARY G.E.L.CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM CHURCH COUNCIL KI BISHESH BAITHKI.

Ta: 18 November, 1929.

9.BANK JAMIN REGISTRY - Bank ke liye jo jamin di gai hai aur jis gax par ghar banaya ja chuka hai us jamin ko Bank ke nam par Registry kar dene ki chitthi Bank ki or se ai aur wah parhi gai. Phir jo jabab bheji gai so bhi parhi gai.

SANKALP: Ki wah jamin jo di gai hai so Bank ke nam par Bank se kharach dene par Registry kar di jay. President is kam ko karen aur Bank ke liquidate hone ke halat par depreciation value dekh kar Council us ghar ko kharidegi.

sd.J.Topono. President. sd.P.Hurad. Secretary.

### TRUE COPY.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO. 870/29 F.- 42.

From

P, Hurad, Esqr., Secretary, G.E.L. Church Chotanagpur and Assam, Ranchi.

To

The Honorary Secretary, Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank Ltd., Ranchi.

Dated Ranchi, the 24th August, 1929.

Sir,

Adverting to your Office No.1457 of the 20th August current, I am to invite your attention to this office No.549/29/F-42 (vide also C.C.minutes April 3-11,1929, Item 13; page 4, a copy of which has already been forwarded to you) and to say that the Church Council is prepared to buy the Bank building at a reasonable price agreed upon by the Bank Authorities and the Council or by a competent body of arbitration. The price will certainly not exceed the original cost, considering the general practice of allowing the value of depreciation.

Your letter under reference does not raise any new question excepting that the Council give an undertaking to execute a regsitered Agreement. It appears to demand too much from the Council which gives you a registered lease for the land. In any case, I shall place the matter before the full Council which meets in October next, and let you know the result.

I have the honour to be, Sir, Your most obedient servant,

> sd/- P.Hurad. SECRETARY.

No. 1457.

From

The Honorary Secretary, Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank Ltd., Ranchi.

To

The Secretary, Church Council, G.E.L.Mission, Ranchi. Dated Ranchi, the 20th August, 1929.

Sir.

I have the honour to communicate the following extract from the resolution of the Re-organisation Committee held on 12.8.29, for your information and necessary action.

I have the honour to be, Sir, Your most obedient servant, sd/- P.S.Lakra. Honorary Secretary.

EXTRACT FROM THE MINUTES OF THE RE-ORGANISATION COMMITTEE

Meeting held on 12.8.29.

Item No.2 (b):- After some talk regarding the disposal of the Bank Building in case the Bank is liquidated it was resolved:-

That the Church Council be requested to give a registered agreement that in case the Bank be liquidated the Church Council will buy the Building at a price agreed upon between the liquidator and the Church Council, or in case of disagreement, at a price fixed by a Board of Arkitration Arbitrators which will not exceed the original cost of the Building. The Board of Arbitrators to consist of three members - one to be nominated by the Church Council, the other by the liquidator and the third be a Deputy Commissioner of Ranchi. If the Church Council is not in a position to pay immediately the price fixed upon, the Board of Arbitrators will fix the time limit within which the Church Council will pay the amount.

Sd/- P.S.Lakra. Honorary Secretary.

#### TRUE COPY.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO.549/29 F- 42.

From

P.Hurad, Esqr, Secretary, G.E.L. Church in Chotanagpur & Assam, Ranchi.

To

The Rev.J.Lakra, Chairman, The Chotanagpur Central Christian Co-op.Bank.Ltd., Ranchi. Dated Ranchi, the 6th March, 1929.

Sir,

Adverting to your office letter No.100 dated Ranchi, the 26th January, 1929, on the subject of disposal of the Bank building in Ranchi G.E.L. Compound, in case the Bank goes into liquidation at any time in future, I have the honour to state that the Council of the G.E.L. Church in Chotanagpur and Assam will be prepared to take over the said Bank building "on most favourable terms" to be offerred by the Bank or on such fair terms as will be determined by a competent body by arbitration.

2. The idea of erecting a second storey on the present building by the Church Council does not appeal to the Council and therefore seems inconceivable. I would therefore request that the suggestion

may now be dropped.

I have etc: sd/- P.Hurad. SECRETARY.

#### TRUE COPY .

THE CHOTANAGPUR CENTRAL CHRISTIAN CO-OF. BANK LTD., RANCHI. (Established March 1921)

NO.100.

Dated Ranchi, the 26th Jan: 1929.

From

The Chairman, Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank Ltd., Ranchi.

To

The Secretary, G.E.L.Church Council, Ranchi. Dated Ranchi, the 26th January, 1929.

Sir,

I respectfully beg to lay the following for the kind consideration of the G.E.L.Church Council.

The Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank (Ranchi) was established in March 1921, and is still carrying on work chiefly among the Lutherans of the Ranchi district. On the generous lease of a plot of land by the Mission Trust of Northern India, and the kind approval of the Advisory Board and Church Council of the G.E.L Church, the Bank is erecting a Building in the G.E.L.Church, Compound, Ranchi, to the west of the Bethesda Tank.

The Mission Trust being a temporary body, it was not in a position to give any undertaking for taking over the Building in case the Bank happens to go into liquidation at any time in future. The Co-operative Department is insisting on making some provision for the disposal of the Building it was the Bank cease to function. Knowing that G.E.L.Church Council is the only body which can give such an undertaking I, on behalf of the Chotanagpur Central Christian Co-operative Bank, request the Church Council to be pleased to agree to take over the Building if the Bank be in the danger of dissolution, on the most favourable terms that the Bank can offer.

Secondly, I have the honour to put it before the Church Council that if it thinks desirable, the Council may erect a second storey for its own use over the Bank Building. The Foundation and walls are so laid and build that a second storey may be raised. The Bank will most gladly agree to the erection of a second storey by the Church Council for its use.

I request that the Council will kindly consider the matter and make a decision which will be favourable both to the Bank and Church Council, for which I and the Bank will ever remain thankful.

I have the honour to be, Sir, Your most obedient servant,

Sd/- Joel Lakra. CHAIRMAN. Chotanagpur Central Christian Co-op. Bank Ltd.Ranchi.